सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 334 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 16 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भारत ने एशिया कप 2025 में लगातार 3 मैच जीतकर बनाया इतिहास

रायपुर। अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय बास्केटबॉल टीम के अंडर 16 महिला बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी शामिल है। इसके अलावा भारतीय टीम में तमिलनाडु, कर्नाटका, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना के खिलाड़ी शामिल हैं। एशिया कप में लगातार 3 मैच जीतकर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है तथा सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

एशिया कप में इंडिया टीम शानदार खेल खेलते हुए पहले मैच में ईरान को 70 – 67 अंकों से हराया, दूसरे मैच में इंडिया ने उज्बेकिस्तान को 81– 69 अंकों से हराया, तीसरे मैच में इंडिया ने समोआ को 71 – 54 के बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एशिया कप में लगातार 3 मैच जीतकर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है तथा सेमीफाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम 18 सितंबर को सेमीफाइनल मैच खेलेगी। 3 मैच जीतकर बनाया इतिहास बनाने पर प्रदेश व जिले में खुशी की लहर है। सेमीफाइनल में प्रवेश करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ के राजीव जैन अध्यक्ष, चेयरमैन विजय अग्रवाल, नरेश डाकलिया, राजीव चौबे, राजेश गौर, भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक अनिथा पॉलदुरई, सहायक प्रशिक्षक रोहित एवं श्री उमा कांत, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, कलेक्टर महासमुंद, जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद के अध्यक्ष एवं खिलाड़ियों ने महिला बास्केटबॉल टीम और दिव्या रंगारी शुभकामनाएं दी।

बीजापुर के उल्लूर-चिल्लामरका में सुरक्षा बलों का नया कैंप खुला

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम थाना क्षेत्र के उल्लूर व चिल्लामरका में सुरक्षा बल का नया कैंप स्थापित किया गया है। उल्लूर व चिल्लामरका में स्थापित कैंपों से नियद नेल्ला नार योजना के तहत आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध करवाया जा सकेगा। बताया जाता है कि विषम व दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने कैंप स्थापित किया गया है। इससे भोपालपटनम से फरसेगढ़, सेंड्रा, गढ़चिरौली को जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम होगा। वहीं आने वाले समय में नेशनल पार्क क्षेत्र के दायरे में आने वाले गांवों को सड़क सहित अन्य सुविधाओं से जोड़ने का रास्ता भी खुलेगा। बताया जाता है कि 1 जनवरी 2024 से अब तक जिले में कुल 36 कैंप खोले जा चुके हैं। इनका फायदा ये मिला कि 496 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और 193 नक्सलियों को ढेर किया जा चुका है, जबकि 900 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ में 6 नए फिजियोथेरेपी कॉलेजों के निर्माण का रास्ता साफ, मिली स्वीकृति

83 करोड़ की लागत से होगा निर्माण, मुख्यमंत्री साय ने कहा- छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य शिक्षा को देंगे नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार नए आयाम जुड़ रहे हैं। प्रदेश सरकार ने चिकित्सा शिक्षा को और मजबूत करने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण से इस से न केवल युवाओं को नए अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग जारी आदेश के अनुसार जिन जिलों में नए फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित होंगे उनमें मनेंद्रगढ़, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर शामिल हैं। इन महाविद्यालयों के निर्माण के लिए सरकार ने कुल 83 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक महाविद्यालय के लिए लगभग 13 करोड़ 93 लाख 71 हजार रुपए (करीब 14 करोड़) का बजट तय किया गया है। यह निवेश न केवल आधुनिक इमारतों और प्रयोगशालाओं के निर्माण पर खर्च होगा बल्कि छात्रों के लिए आवश्यक उपकरणों और अधोसंरचना पर भी किया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश की युवाशक्ति के लिए नई राह खोलेगा।

स्वास्थ्य व युवाओं का भविष्य सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का स्वास्थ्य और हमारे युवाओं का भविष्य, दोनों हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। आज जिन 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की स्वीकृति दी गई है, वे केवल संस्थान नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की नई इमारत की नींव हैं। इन महाविद्यालयों से प्रदेश के युवा डॉक्टर और विशेषज्ञ बनकर न केवल छत्तीसगढ़ की सेवा करेंगे बल्कि पूरे देश में राज्य की पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

सीएम साय के नेतृत्व में नई ऊंचाइयां छू रही स्वास्थ्य शिक्षा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य शिक्षा नई ऊँचाइयों को छू रही है। 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य शिक्षा के अवसर मिलेंगे और फिजियोथेरेपी जैसी महत्वपूर्ण सेवा अब गांव-गांव तक पहुंच सकेगी। यह निर्णय प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के साथ ही युवाओं के लिए नए रोजगार और अवसरों का द्वार खोलेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता है फिजियोथेरेपी

उल्लेखनीय है कि फिजियोथेरेपी वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है और इन नए महाविद्यालयों से प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार होंगे, जो आने वाले समय में समाज को बेहतर सेवाएं देंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि छत्तीसगढ़ में फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बड़ी राहत प्रदान करेगा। अब मरीजों को फिजियोथेरेपी उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि अपने ही जिले में सेवाएं मिल सकेंगी।

मेडिकल व नर्सिंग कॉलेजों के साथ फिजियोथेरेपी कॉलेज से बेहतरा होगी स्वास्थ्य शिक्षा

प्रदेश में पहले से मौजूद मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग कॉलेजों के साथ फिजियोथेरेपी कॉलेजों की यह नई श्रृंखला स्वास्थ्य शिक्षा की व्यापकता को और बढ़ाएगी। इससे छत्तीसगढ़ न केवल डॉक्टर और नर्स तैयार करेगा बल्कि विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट भी बड़ी संख्या में उपलब्ध कराएगा। इस निर्णय से रोजगार के नए अवसर भी सामने आएंगे। इन महाविद्यालयों के निर्माण से लेकर संचालन तक स्थानीय स्तर पर अनेक लोगों को रोजगार मिलेगा और स्नातक होने वाले विद्यार्थी स्वास्थ्य संस्थानों में अपनी सेवाएं देकर प्रदेश की जरूरतें पूरी करेंगे।

बदमाशों को चाकू व गुप्ती सप्लाई करने वाला युवक गिरफ्तार, राजस्थान से लाकर करता था सप्लाई

उतई पुलिस ने खैरागढ़ जिले के गंडई से धरदबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग में बदमाशों को गुप्ती व चाकू जैसे हथियार सप्लाई करने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार हुआ है। दुर्ग जिले की उतई पुलिस ने आरोपी मोहम्मद सरफराज पिता मोहम्मद हुसैन (25 वर्ष) को उसके निवास ग्राम नमदर्ा गंडई छुईखदान जिला खैरागढ़ में धरदबोचा है। आरोपी की वहां बाबा डीजे के नाम से दुकान भी है।

मिली जानकारी के मुताबिक थाना उतई पुलिस ने कुछ दिन पूर्व 11 सितंबर को ग्राम उमरपोटी में एक बदमाश राजा उर्फराहुल पवार से तीन चाकू ,एक स्टीक व एक गुप्ती बरामद कर कार्यवाही की थी। मामले में आरोपी राजा उर्फराहूल पवार के खिलाफ (1) अपराध 363/2025 धारा 119 (1), 296,351 (3), 115 (2) 3 (5) बीएनएस व 25,27 आर्म्स एक्ट (2) अपराध 364/2025 धारा 296, 351(3), 3(5) बीएनएस. 25, 27

आर्म्स एक्ट (3) अपराध 365/2025 धारा 308(5), 74, 296,351 (3), 3 (5) बीएनएस, 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी राजा उर्फ राहुल पवार से तीन नग चाकू ,एक गुप्ती, एक स्टीक बरामद गई थी।

जप्त चाकू हथियार सप्लाई करने वाले मोहम्मद सरफराज निवासी गंडई से अपनी दोस्ती होना और उसी के द्वारा सभी चाकू सामान को अजमेर राजस्थान से लाकर देना बताया था। मोहम्मद सरफराज की पता तलाश कर उसे 'ग्राम नमदर्ा थाना गंडई से अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर चाकू सप्लाई करना स्वीकार किया। सरफराज ने बताया कि वर्ष 2024 अक्टूबर महीने में अजमेर शरीफ दरगाह गया था। वहां दर्शन करने के बाद पुष्कर ब्रम्हा मंदिर लाईन दुकान से दो गुप्ती खरीदा था। एक गुप्ती को अपने दोस्त समीर नागपुर निवासी को दे दिया व एक गुप्ती ग्राम नमदर्ा के प्रमोद पटेल को दिया था। जिसके खिलाफ गंडई पुलिस ने मार्च महीने में आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही किया था। वह वर्ष 2025 के मार्च महीने में अजमेर शरीफ दरगाह, राजस्थान दोबारा दर्शन करने गया था। तब पुष्कर जाकर 2 बटन चाकू 2 नग चाकू, एक गुप्ती एक स्टीक, खरीदकर लाया था। जिसमें से राजा उर्फ राहुल पवार को एक गुप्ती, एक स्टीक तथा एक बटन चाकू, दो नग चाकू मार्च महिने में 3000 रूपए में बेचा था। वर्ष 2025 अगस्त में अंतिम सावन सोमवार में पालकी में डीजे बजाने दुर्ग आया था तब समिति के एक लडके जिसका नाम नही मालूम उसे एक बटन चाकू बेचा है। आरोपी मोहम्मद सरफराज को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय दुर्ग में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

छत्तीसगढ़ में बारिश का कहर : नाले में बह गई ट्रैक्टर, 7 मजदूर बहे, सूरजपुर में गिरी बिजली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून के कारण बारिश कहर बरपा रहा है। कवर्धा में घुमाछापर गांव के पास स्थित टमरू नाले में रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक आई बाढ़ की चपेट में आ गई। ट्रॉली में सवार सभी 7 मजदूर भी बह गए। हालांकि, सभी मजदूरों ने तैरकर अपनी जान बचा ली। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली नाले के बीचों-बीच फंस गई थी। इसी दौरान तेज बारिश हुई और अचानक पानी का बहाव तेज हो गया, जिससे ट्रॉली समेत मजदूर बहने लगे।

इसके अलावा सूरजपुर जिले में 7 लोगों पर बिजली गिरी है, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। इस दौरान 6 और भी झुलसे हैं, इनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। 4 लोगों का इलाज कोरिया के सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। वहीं दोनों बच्चों को सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एडमिट किया गया है। बताया जा रहा है कर्ा महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही राशि कटकर खाते में आ रही थी। इसे लेकर वह पालकेवरा ग्राम पंचायत सचिव के पास गए थे। सचिव को बुलाकर पेड़ के नीचे मोबाइल नंबर समेत अन्य दस्तावेज अपडेट करा रहे थे, तभी बिजली गिरी। मामला ओड़गी थाना क्षेत्र का है।

प्रदेश में अब तक 1018.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1018.0 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1419.2 मिमी और बेमेतरा जिले में न्यूनतम 490.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

नांदगांव के 30 गांवों में शराबियों की शामत

श्रीकंचनपथ

राजनांदगांव ब्लाक के हल्दीघाट, भंवरमरा, सिंघोला, रानीतराई, महाराजपुर, आलीखुटा, डोडिया, भेड़िया, भोथीपार खुर्द, सहित 30 से अधिक गांवों में शराब के खिलाफ आंदोलन खड़ा गया है। यहां न केवल शराब बेचने पर प्रतिबंध लगाया गया है बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर शराब पीने के खिलाफ भी मुनादी करवाई जा रही है। लोगों को शराब की बुराइयां बताने के लिए जनजागरण भी किया जा रहा है। यह सारा काम खुद गांव वाले कर रहे हैं। अगर कोई शराब बेचते पकड़ा गया तो उसपर 50 हजार रुपए तक जुर्माना लगाया जा रहा है। शराब पिलाने वाले स्थानों की सूचना देने वालों को भी 10 हजार रुपए दिये जा रहे हैं। अब तक यहां कोचिए खुद शराब बेच जाया करते थे। आसपास के ढाबों में भी शराब आसानी से मिल जाती थी। शराब का कारोबार हमेशा विवादों में रहा है। एक तरफसरकार शराब बंदी की घोषणा करती है तो दूसरी तरफलोग शराब से मिलने वाले राजस्व की चर्चा करने लगते हैं। इसका भी हवाला दिया जाता है कि जिन राज्यों में शराब बंदी हुई है वहां शराब की कालाबाजारी हो रही है। शराब कारोबारी न केवल वहां से ज्यादा मुनाफा पीट रहे हैं बल्कि शौकीनों को भी शराब काफी महंगी मिल रही है। शराब बंदी की घोषणा से सरकार को राजस्व की जो हानि हो रही है, सो अलग। छत्तीसगढ़ की पिछली सरकार का मानना था कि शराब बंदी तभी हो सकती है जब लोग इसमें सहयोग करें। बालोद में इसका एक नमूना लोग देख चुके थे। बालोद की सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री शमशाद बेगम की अगुवाई में वहां नवसाक्षर महिलाओं ने शराब बंदी का बीड़ा उठा लिया था। शाम ढलते ही वे लाठी लेकर गांव की गलियों में निकल जाती थीं और खुलेआम शराब पीने वालों और जुआ खेलने वालों की पिटाई कर देती थीं। कच्ची शराब के कारखानों को भी इन महिलाओं ने बंद करवा दिया था। इस अभियान को पुलिस का भी सहयोग मिला और यह खबर सुर्खियों में भी बनी रही। दरअसल, साक्षरता अभियान ने इन महिलाओं को न केवल शिक्षित किया बल्कि दीदी बैंक और स्व सहायता समूहों के जरिए इन्हें आपस में जोड़ भी दिया था। संगठित होते ही महिलाओं के मुंह में जुबान आ गई और उन्होंने नारी उत्पीड़न के तमाम रास्तों को बंद करना शुरू किया। जब ऐसा बालोद में हो सकता है तो और जगहों पर भी इसे किया ही जा सकता है। राजनांदगांव में इससे पहले महिला उत्पीड़न और शराब बंदी की एक कोशिश पद्मश्री फुलबासन यादव ने की थी। दूरस्थ गांवों में उन्हें सफलता भी मिली थी। सही है कि यदि शराबियों को सुधारना है तो यह काम केवल मोहल्ला स्तर पर ही हो सकता है। इसके लिए जरूरी है कि महिलाएं एकजुट हों, ग्राम के सज्जनों को विश्वास में लें और पहलकदमी करें। नशेड़ी हर गांव में होते हैं पर उनकी आनुपातिक संख्या हमेशा कम होती है।

संपादकीय

सोशल मीडिया प्रतिबंध पर प्रदर्शन

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है। पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेन-जी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। भारी झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को राजी नहीं है। गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद इस्तीफा दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है।

> “प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सप्ताह ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे छब्बीस सोशल मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफार्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का आरोप है, ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं। चीन की सोशल मडिया कंपनी टिकटाक द्वारा सभी नियमों का पालन किया है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटाक पर चल रहे नेपोबेबी ट्रेंड हो रहा है, जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशो-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। यह सच है कि बिला-वजह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टाचार, रितखोरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को पर भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बदहाली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

चरमपंथी गुटों को वित्तीय सहायता

आतंकवाद के वित्त पोषण पर कनाडा में जारी एक रपट में खुलासा हुआ है कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी गुटों को कनाडा से वित्तीय सहायता मिल रही है। 2025 असेसमेंट ऑफ मनीलॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' नाम से जारी इस रपट में जिन चरमपंथी समूहों के नाम दिए गए हैं, उनमें दो संगठन-बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन-भी शामिल हैं। चिंता की बात यह है कि ये संगठन गैर-लाभकारी और धर्मार्थ गतिविधियों के लिए धन बता कर उसका अपने मंसूबे पूरे करने में इस्तेमाल करते हैं।

इस रपट के सनसनीखेज खुलासे से नई दिल्ली के इन दावों की पुष्टि होती दिख रही है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व बिना रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं। यह कोई पहली रपट नहीं है जिसने आंख खोल देने वाले खुलासे किए हैं। इससे पहले ओटावा की खुफिया एजेंसी ने भी 1980 के दशक में जारी अपनी एक रपट में खुलासा किया था कि कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ का खतरा खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत के पंजाब में खालिस्तान नाम से स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश के तहत उत्पन्न हुआ था। इसके बाद कनाडा सरकार ने भी एक रपट जारी की जिसमें शंका जताई गई थी कि चरमपंथियों ने धार्मिकता का चोला ओढ़ लिया है। दरअसल, चरमपंथी संगठन, जिनमें हमास, हिज्बुल्ला जैसे मुस्लिम संगठन भी शामिल हैं, अपनी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाते हैं। बैंकिंग तंत्र के दुरुपयोग, क्रिप्टोकरंसी के इस्तेमाल के अलावा ये संगठन सरकारी वित्त-पोषित नीतियों और कार्यक्रमों में भी सेंध लगा कर धन जुगाड़ने में पीछे नहीं रहते। धर्मार्थ और गैर-लाभकारी संगठनों का दुरुपयोग तो करते ही हैं, यहां तक कि आपराधिक गतिविधियों से भी धन जुटाते हैं। परेशानकुन यह कि ये संगठन कनाडा तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ब्रिटेन समेत कई देशों तक फैले हुए हैं। अलबत्ता, कनाडा में उग्रपंथी खालिस्तानी संगठनों के लिए मुफीद स्थिति इसलिए है कि वहां आबादी में काफी बड़ा हिस्सा सिखों का है, जो सरकार बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सरकार भी नरम रवैया अपनाती है। इतना कि भारत जैसे देशों से अपने संबंधों के बिगाड़ तक की हद तक जा पहुंचती है।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत 8.39 लाख निर्माण श्रमिकों को लाभ

विश्वकर्मा जयंती पर विशेष : श्रमिकों के उत्थान के लिए 535.62 करोड़ रुपए व्यय

छगन लोन्हारे, अशोक कुमार चन्द्रवंशी
जनसंपर्क अधिकारी छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के उत्थान के लिए लगातार उन्हें आर्थिक मदद दी जा रही है। इसी सिलसिले में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीयन एवं लाभांवित श्रम विभाग द्वारा 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक लगभग 7.3 लाख निर्माण श्रमिकों का पंजीयन किया गया है तथा वर्ष 2024 से 15 सितम्बर 2025 तक संचालित योजनाओं के माध्यम से लगभग 8.39 लाख श्रमिकों को लाभांवित हुए हैं, जिस पर लगभग 535.62 करोड़ रुपए व्यय किया गया है।

उल्लेखनीय है कि असंगठित श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में एक नई पहल शुरू की गई है। असंगठित श्रमिकों एवं उनके परिवारों के समग्र विकास के लिए अम्ब्रेला योजना 'अटल श्रम सशक्तिकरण योजना' प्रारंभ की गई है। प्रवासी श्रमिक साथियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदाय करने हेतु प्रथम चरण में 5 राज्य क्रमशः उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, गुजरात एवं महाराष्ट्र में जहां अधिक संख्या में श्रमिक प्रवास करते हैं, वहां 'मोर चिन्हारी भवन' बनाया जाएगा। इसके अलावा श्रमिकों को कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने 106 निजी चिकित्सालयों से अनुबंध किया गया है। इससे उन्हें हृदय रोग, किडनी रोग, मस्तिष्क रोग, जटिल सर्जरी आदि के लिए सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में उपचार सुविधा मिलेगी।

इसी तरह राज्य शासन द्वारा श्रम विभाग की अम्ब्रेला योजना अटल श्रम सशक्तिकरण योजना' के नाम से शुरू की गई है। इससे श्रमिकों तथा उनके परिवारों को एक ही स्थान पर सरकार के सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा, इसके लिए 'श्रमेव जयते' पोर्टल बनाया गया है। पंजीकृत श्रमिकों के द्वारा आर्थिक गतिविधि के लिए बैंक से लिए जाने वाले ऋण पर लगने वाले ब्याज में अनुदान देने के लिए जल्द ही नई योजना शुरू की जा रही है ताकि आत्म निर्भर बनते हुए स्वयं मालिक बनने की दिशा में बढ़ सकें। इसके अलावा असंगठित श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं सतत् निगरानी हेतु राज्य के प्रत्येक संभाग में संभाग स्तरीय श्रम कल्याण कार्यालय के स्थापना की जा रही है।

श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र श्रमिकों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण एवं सहायता हेतु राज्य के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय तथा समस्त विकासखंडों में मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र योजना अंतर्गत 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक 94,300 निर्माण श्रमिकों को पंजीयन/नवीनीकरण/योजनाओं के आवेदन में सहयोग प्रदान किया गया है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन हेतु स्व-घोषणा प्रमाण पत्र छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन की प्रक्रिया सरल करते हुये, ठेकेदार अथवा नियोजक के अधीन कार्य करने संबंधी नियोजक से नियोजन प्रमाण पत्र के स्थान पर श्रमिकों से ही निर्माण कार्य में नियोजित होने संबंधी स्वघोषणा पत्र का प्रावधान किया गया है। उक्त सरलीकरण करने से श्रमिकों को पंजीयन कराने में सुविधा हुई है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के स्वयं के आवास क्रय एवं आवास निर्माण हेतु 01 लाख रुपए एकमुश्त अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा रहा है। 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक 1042 निर्माण श्रमिकों को नवीन आवास क्रय/आवास निर्माण हेतु अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा चुका है। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित उक्त योजनांतर्गत कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं छत्तीसगढ़ बोर्ड के मेरिट के प्रथम 10 में स्थान प्राप्त करने पर प्रत्येक श्रमिक बच्चों को राशि रुपए 01 लाख प्रोत्साहन राशि तथा रुपए 01 लाख दोपहिया वाहन क्रय करने हेतु प्रदाय किया गया है। 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक निर्माण श्रमिक के 7478 पुत्र/पुत्रियों को 10 करोड़ 14 लाख 49 हजार 614 रुपए प्रदान किया गया है। प्रसूति सहायता योजना 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित 'मिनीमाता महतारी जतन योजना' अंतर्गत 65 हजार 010 महिला निर्माण श्रमिकों को लाभांवित किया गया है।

शहीद वीरनारायण सिंह श्रम अन्न योजना उक्त योजना अंतर्गत पंजीकृत निर्माण, असंगठित एवं संगठित श्रमिकों को 05 रूपए में गरम एवं पौष्टिक भोजन प्रदाय किया जा रहा है। 31 दिसम्बर 2023 की स्थिति में 29 भोजन केन्द्र संचालित थे, जो कि वर्तमान में बढ़कर 17 जिलों में 37 भोजन केन्द्र हो गये हैं। 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 विभाग द्वारा 11,35,362 यूनिट भोजन (मिल) पंजीकृत संगठित एवं असंगठित श्रमिकों को प्रदाय किया जा चुका है, जिसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा राशि 52,865,395 रुपए का व्यय हुआ है। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना सामान्य मृत्यु होने पर उसके उत्तराधिकारी को एक लाख रूपए की राशि, कार्य स्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर उसके उत्तराधिकारी को 5 लाख रुपए की राशि तथा कार्य स्थल पर दुर्घटना से स्थायी दिव्यांगता होने पर श्रमिक को ढ़ाई लाख रुपए की राशि दिए जाने का प्रावधान है। जिसके तहत् 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक कुल 3658 निर्माण श्रमिकों के आश्रितों को लाभांवित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 17 सितंबर 2024 को डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण किया था। श्रम विभाग द्वारा प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित कर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत् पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को केन्द्रीकृत डी.बी.टी. के माध्यम से लाभांवित करना प्रारंभ कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 17 सितम्बर, 2024 से अब तक 16 योजनाओं में 6 लाख 48 हजार 633 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 327 करोड़ 13 लाख 53 हजार 108 रुपए से लाभांवित किया गया।

धान से अब सुपर फूड की ओर : मखाना की खेती बनी समृद्धि की आधार

श्रीकंचनपथ डेस्क

रायपुर। मखाने की आधुनिक खेती किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों के लिए आय बढ़ाने का नया मार्ग है। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी समाज को नई दिशा देने वाली है। प्रशासन का उद्देश्य है कि आने वाले वर्षों में मखाना खेती को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर किसानों को धान के बेहतर विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जाए।

धमतरी में सुपर फूड मखाना, जिसे काला हीरा भी कहा जाता है,से अपनी पहचान बना रहा है। स्वास्थ्यवर्धक और पोषक तत्वों से भरपूर मखाने की खेती ने जिले के किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों के जीवन में नई उम्मीदें जगा दी हैं। जिला प्रशासन ने इसे प्राथमिकता देते हुए धान की खेती के विकल्प के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है, ताकि किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके और ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिले।

कुरूद विकासखंड के ग्राम राखी, दरगहन और सरसोंपुरी को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है। इन गांवों के तालाबों में लगभग 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाने की खेती की जा रही है। राखी गांव में करीब 5 हेक्टेयर क्षेत्र की फसल अब तैयार होकर हार्वेस्टिंग के चरण में पहुँच चुकी है। कटाई-छंटाई का यह कार्य प्रशिक्षित मजदूरों की मदद से किया जा रहा है क्योंकि मखाने की फसल में विशेष दक्षता की आवश्यकता होती है।

मखाना केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी अमूल्य वरदान है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्निशियम, आयरन, जिंक और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह डायबिटीज और हृदय रोगियों के लिए उपयोगी है, हड्डियों और जोड़ों के दर्द में राहत देता है, रात को सेवन करने पर अच्छी नींद और तनाव मुक्ति प्रदान करता है तथा प्रोटीन और फास्फोरस से भरपूर होने के कारण शरीर को ऊर्जा और मजबूती देता है।

इस नई पहल ने गांवों में उत्साह का वातावरण बना दिया है। खासकर महिला स्वसहायता समूहों की भागीदारी उल्लेखनीय है। ग्राम देमार की शैलपुत्री महिला समूह और नई किरण महिला समूह ने मखाने की खेती और प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेकर इसे आजीविका का साधन बनाना शुरू कर दिया है। महिलाओं की यह भागीदारी न केवल उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है बल्कि पूरे परिवार की जीवनशैली में सुधार लाने का माध्यम भी बन रही है। तकनीकी मार्गदर्शन के लिए कृषि विस्तार अधिकारी और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के विशेषज्ञ लगातार किसानों के साथ जुड़े हुए हैं। तालाबों में केवल 2 से 3 फीट पानी में यह फसल आसानी से तैयार हो जाती है और लगभग छह महीने में कटाई योग्य हो जाती है। लाभ के लिहाज से भी मखाना धान से कहीं अधिक फायदेमंद साबित हो रहा है। धान की खेती में जहां औसत शुद्ध लाभ 32 हज़ार 698 रुपये आता है, वहीं मखाने की खेती से किसानों को लगभग 64 हज़ार रुपये तक की आमदनी हो रही है। यही कारण है कि जिला प्रशासन ने किसानों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अगले रबी सीजन में 200 एकड़ तालाबों में मखाने की खेती विस्तार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की राह पर छत्तीसगढ़

आलेख : नसीम अहमद खान
उप संचालक, जनसंपर्क

आज पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता न केवल सीमित संसाधनों पर दबाव डाल रही है, बल्कि पर्यावरणीय असंतुलन को भी बढ़ा रही है। ऐसे समय में अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, ही भविष्य की सबसे सशक्त और टिकाऊ राह बनकर उभर रही है। भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट क्षमता का नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में छत्तीसगढ़ राज्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नई ऊर्जा क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को घर की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्रीय सब्सिडी के साथ-साथ राज्य सरकार से भी आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2027 तक देशभर में एक करोड़ से अधिक परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है।

छत्तीसगढ़ में इस योजना का क्रियान्वयन तेज गति से हो रहा है। अप्रैल 2025 से अब तक 55 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने आवेदन किया है, जिनमें से पाँच हजार घरों में सोलर सिस्टम स्थापित हो चुके हैं। लगभग 16 हजार घरों में सोलर पैनल लगाने का कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार ने मार्च 2027 तक पाँच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य तय किया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में सौर ऊर्जा का योगदान विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे न केवल सिंचाई में आसानी होगी, बल्कि किसानों की निर्भरता पारंपरिक बिजली पर भी घटेगी। राज्य सरकार द्वारा अब तक सात मेगावॉट क्षमता के सोलर पंप स्थापित किए जा चुके हैं और आने वाले वर्षों में हजारों पंपों की स्थापना की योजना है।

इसके अतिरिक्त, दुर्गम ग्रामीण अंचलों में सोलर मिनी ग्रिड योजना लागू की जा रही है। लगभग 330 मेगावॉट क्षमता के मिनी ग्रिड प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है, जिससे हजारों गाँवों को रोशनी मिलेगी।

छत्तीसगढ़ ने नवीकरणीय ऊर्जा के औद्योगिक उपयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। बायोमास आधारित विद्युत संयंत्र, फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट और सोलर स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना के साथ-साथ सरकारी भवनों, छात्रावासों और अस्पतालों में सोलर विद्युतीकरण का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। अब तक 2,600 से अधिक सरकारी परिसरों में सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं।

राजनांदगांव जिले में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम डोंगरगढ़ रोड पर ग्राम ढाबा के आसपास के 4-5 गांवों के पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित किया गया है। इससे प्रतिदिन 5 लाख यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन होगा और लगभग 4.5 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। आने वाले दो वर्षों में 2000 मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क स्थापित किए जाएंगे, जिससे छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर अक्षय ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनेगा।

सौर ऊर्जा न केवल बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करती है, बल्कि यह स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में भी सहायक है। ''सोलर विलेज'' की अवधारणा के अंतर्गत 53 गाँवों का चयन किया गया है, जहाँ कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता कम कर केवल सौर ऊर्जा से ही विद्युत आपूर्ति की जाएगी। यह प्रयास ग्रामीण जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा और कार्बन उत्सर्जन घटाने में भी सहायक सिद्ध होगा।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ की कुल बिजली मांग लगभग 5,500 मेगावॉट है, जिसमें 15 प्रतिशत आपूर्ति नवीकरणीय स्रोतों से हो रही है। वर्ष 2030 तक इस हिस्सेदारी को 45 प्रतिशत और वर्ष 2047 तक 66 प्रतिशत तक पहुँचाने का लक्ष्य है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

छत्तीसगढ़ की नीतियाँ अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को सस्ती, स्वच्छ और स्थायी बिजली उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। ''सूर्यघर योजना'' और अन्य सौर परियोजनाओं से जहाँ ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों को लाभ मिलने लगा है। इससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

आयुक्त ने सड़क पर लगे पोल से अवैध बैनर, पोस्टर हटाने के दिए निर्देश

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक-1 अंतर्गत पाइप लाईन, पार्किंग स्थल, निर्माणाधीन नाला सहित गौठान का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त ने फरीद नगर निजामी चौंक का निरीक्षण कर विभाजित डिस्ट्रीब्यूशन पाईप लाईन को सही कराने निर्देशित किए हैं, जिसका कार्य प्रगति पर है। समीपस्थ कबाड़ का सामान सड़क पर रखने वालो पर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। उक्त कृत्य से मार्ग बाधित होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। फरीद नगर एवं लक्ष्मी नगर में पर्याप्त पेयजल व्यवस्था हेतु नया पाइप लाईन बिछाया गया है, जिसका निरीक्षण आयुक्त द्वारा किया गया। जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों एवं प्राइवेट एजेंसियों द्वारा सुपेला घड़ी चौंक से गदा चौंक तक डिवाइडरो में लगे पोल में राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक बैनर/पोस्टर लगाया गया है, जिसके कारण सड़क दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इस हेतु आयुक्त ने सभी बैनर/पोस्टर को हटाने निर्देशित किए हैं। नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से सभी जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों एवं प्राइवेट एजेंसियों से अपील है कि शहर के स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण हेतु इस तरह के होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर का उपयोग बिलकुल न करें। इस तरह के प्रचार-प्रसार हेतु उपयोग किए जाने वाले सामग्रीयों से शहर की खुबसुरती में कमी आती है। महापौर परिषद के बैठक में निर्णय लिया गया है, कि जन्मदिन या कोई भी विशेष समारोह में होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर का उपयोग नहीं करेगें।

भिलाईनगर विधानसभा में विकास कार्य के लिए 6.99 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए भिलाईनगर विधानसभा अंतर्गत तीन विकास कार्यों के लिए 06 लाख 99 हजार 838 रूपए की स्वीकृत दी है। जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार भिलाई नगर वार्ड क्र. 38 दुर्गा नगर पावर हाउस भिलाई शिव दुर्गा हनुमान मंदिर के पास 01 नग सार्वजनिक बोर खनन के लिए 1 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुर्सीपार भिलाई में 01 नग आर.ओ. वाटर कूलर हेतु 1 लाख रूपए तथा खुर्सीपार स्टेडियम के पास स्व. राजीव गांधी जी प्रतिमा के पास सार्वजनिक सौंदर्यीकरण हेतु 4 लाख 99 हजार 838 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

सीमांकन के बाद भी कब्जाधारी जमीन खाली नहीं कर रहा, वृद्ध ने जनदर्शन में लगाई गुहार

न्यू सुंदर नगर बोरसी निवासियों ने सड़क व नाली निर्माण के लिये दिये आवेदन, जनदर्शन में 107 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में अपर कलेक्टर योगिता देवांगन भी उपस्थित थीं। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 107 आवेदन प्राप्त हुए।

भिलाई नगर निवासी ने फैक्ट्री के द्वारा होने वाले प्रदूषण की शिकायत की। उन्होंने बताया कि एक रासायनिक फैक्ट्री औद्योगिक नियमों की अनदेखी करते हुए हवा और भूजल को गंभीर रूप से प्रदूषित कर रही है। फैक्ट्री के बेकार केमिकल को जमीन पर बहा दिया जाता है, जिससे आसपास के बोरवेल का पानी पीने योग्य नहीं रहा। साथ ही दूषित हवा से रहवासियों को सांस, त्वचा व अन्य गंभीर समस्या हो रही हैं। इस पर कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

न्यू सुंदर नगर बोरसी दुर्ग निवासियों ने सड़क व नाली निर्माण कराने आवेदन दिया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि न्यू सुंदर नगर, बोरसी स्थित आर.व्ही. पेट्रोल पंप के सामने वाली गली में पक्की सड़क एवं नाली निर्माण नही किया गया है। कच्ची सड़क में बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुपहिया वाहन चालक, महिलाएं और बच्चे चोटिल हो रहे हैं। हेल्पलाइन 112 और कचरा वाहन भी इस रास्ते पर आने से मना कर देते हैं। इस संबंध में संबंधित विभाग को आवदेन प्रस्तुत किया गया है। इस पर कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

वृद्ध ने भूमि से अवैध कब्जा हटवाने आवेदन दिया। ग्राम अण्डा के वृद्ध ने बताया कि भूमि का सीमांकन होने के बाद भी एक अन्य व्यक्ति द्वारा भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। भूमि पर पत्थर से घेरा डाल कब्जा किया गया है और विरोध करने पर गाली-गलौज व धमकी दी जाती है। वृद्ध ने अन्य व्यक्ति से जमीन को मुक्त कराने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम रहटादाह धमधा के किसानों ने मुआवजा राशि दिलाने की मांग की। किसानों ने बताया कि खेतों में बिजली विभाग द्वारा बड़ी टावर लगाकर विद्युत लाईन का प्रवाह किया जा रहा है। जिन किसानों के खेतों में टावर खड़ा किया गया है उनको मुआवजा राशि देने का आश्वासन दिया गया था, किंतु आज दिनांक तक मुआवजा राशि प्राप्त नही हुआ है। इस पर कलेक्टर ने बिजली विभाग को परीक्षण कर कार्यवाही करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में खाद्य विभाग, नगर निगम दुर्ग, रिसाली एवं भिलाई, समाज कल्याण एवं जिला पंचायत के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

निगम ने गैदगी फैलाने वालों पर की चालानी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत डोर-टू-डोर कचरा एकत्र करने निगम के सफाई कर्मी, ई-रिक्शा, आटो टिप्पर एवं दवाई छिड़काव की टीम सभी जोन के वार्डो में जाकर कार्य कर रहे है। वार्ड क्रं. 07 राधिका नगर एवं वार्ड क्रं. 8 कृष्णा नगर में जोन के स्वास्थ्य विभाग की टीम दुकानों में जाकर जांच कर रही है।

प्रतिश्ठान संचालकों द्वारा गंदगी फैलाने, गीला एवं सूखा कचरा पृथक कर नहीं देने, सिंगलयूज प्लास्टिक रखने एवं अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं रखने वालो पर कार्यवाही कर रही है। कार्यवाही सजल अग्रवाल होटल से 1000 रूपये, पहलजनीस हास्पिटल 1000 से रूपये, अपोलो फार्मेसी से 1500 रूपये, चिंटू फ्ल सेंटर से 100 रूपये, चीर सागर डेयरी से 200 रूपये, सुरेश फ्ल सेंटर से 100 रूपये, हिना फ्ल सेंटर से 200 रूपये, सुनीता जनरल स्टोर से 1000 रूपये, सिंग हिन्द फेब्रिकेशन से 1000 रूपये, शारदा डेयरी से 1000 रूपये, ब्यूटी पार्लर से 5000 रूपये, वंदना जनरल स्टोर से 1000 रूपये एवं मां शारदा साड़ी सेंटर से 500 रूपये इस प्रकार कुल 13600 रूपये की चालानी कार्यवाही करते हुए रसीद काटकर दिया गया है।

रजत जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग रजत जयंती महोत्सव मना रहा है। इसी क्रम में महाविद्यालय के कैरियर एवं प्लेसमेंट सेल एवं जिला रोजगार कार्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में विगत दिवस महाविद्यालय के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में ''वृहद रोजगार मेला 2025'' का आयोजन किया गया। रोजगार मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधि एवं विधायी कार्यमंत्री गजेन्द्र यादव ने किया।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव शासन से किया जाएगा। उन्होंने मेले में नौकरी हेतु चयनित 10 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। दुर्ग के जिलाधीश अभिजीत सिंह ने मेला स्थल का निरीक्षण किया एवं युवाओं का उत्साह बढ़ाया। यह रोजगार मेला दुर्ग जिले के 21 शासकीय महाविद्यालयों से प्रतिभागिता करने वाले युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के अपने उद्देश्य में सफल रहा।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के उप संचालक से मिली जानकारी अनुसार इस रोजगार मेले में बैंकिंग, फाइनेंस, ऑटोमोबाइल, बीपीओ, हेल्थकेयर, सुरक्षा सेवाएं और स्किल ट्रेनिंग जैसे विविध क्षेत्रों की 28 पंजीकृत कंपनियों में से 20 कंपनियों ने विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। इनमें बंधन बैंक, चोलामंडलम, एनआईआईटी, वेक्टर फाइनेंस, मुथूट माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड, श्रीराम फाइनेंस, फ्लिपकार्ट, मेहता स्टील, टेलीपरफ ॉर्मेंस बीपीओ, स्क्वेयर बिजनेस सर्विस, प्रिया नर्सिंग होम केयर सोसाइटी, टेक्नोटास्क, टीवीएस ट्रेनिंग एंड सर्विसेज, परिधान, धन्वंतरि आयुर्वेद, सेफ इंटेलिजेंट सिक्योरिटी सर्विस, फायर सेफ्टी एंड डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, एस. आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं पैरामेडिकल कॉलेज, फाइंड दक्ष, कॉन्फिडेंस मैनपावर सर्विसेज (ओपीसी) प्रा. लि., रिलायंस प्रायवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हुई।

विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 563 युवाओं ने रोजगार मेले के लिए पंजीयन कराया था, जिनमें से कुल 335 युवाओं को रोजगार हेतु चयनित किया गया। रोजगार मेले को सफल बनाने में लक्ष्य फाउण्डेशन बंगलौर एवं एआईसेक्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईआईटी भिलाई और SECR ने लोको शेड तकनीशियनों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सहयोग से एसईसीआर के लोको शेड कर्मचारियों का ज्ञान संवर्धन (फेज-II) शीर्षक से 10-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम 15 से 26 सितम्बर 2025 तक चलेगा और इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के संचालन और रखरखाव से जुड़े तकनीशियनों की तकनीकी दक्षताओं को बढ़ाना है।

यह पहल जुलाई-अगस्त 2025 में सम्पन्न हुए प्रथम चरण की सफलता के बाद की गई है। पहले चरण में पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था, जबकि वर्तमान चरण विशेष रूप से तकनीशियनों के लिए तैयार किया गया है। इसमें फील्ड-स्तरीय समस्या समाधान, संचालन पद्धतियाँ और रखरखाव कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. राजीव प्रकाश, निदेशक, IIT भिलाई; पीयूष गुप्ता, मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर, SECR बिलासपुर; प्रो. संतोष विश्वास, डीन (अनुसंधान एवं विकास), IIT भिलाई; और संस्थान के संकाय, छात्र एवं SECR कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ. ललित कुमार साहू, कार्यक्रम समन्वयक, ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य लोकोशेड तकनीशियनों के ज्ञान और कौशल को विकसित करना, ब्रेकडाउन कम करना और रखरखाव प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाना है। डॉ. कृष्ण मुरारी, अध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, ने बताया कि प्रशिक्षण मॉड्यूल सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ते हैं और प्रतिभागियों को इंटरैक्टिव सत्र, समस्या समाधान अभ्यास और नवीन तकनीकों का अनुभव प्रदान करेंगे।

प्रो. राजीव प्रकाश ने उद्योग-शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में IIT भिलाई की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने एआई आधारित प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, फॉल्ट डिटेक्शन और हल्के डिब्बों (लाइटवेट कोचेज़) के क्षेत्र में स्वदेशी अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। पीयूष गुप्ता ने आईआईटी और भारतीय रेलवे के बीच 2012 से चली आ रही साझेदारी को याद किया और संकाय को लोको शेड का दौरा करने तथा वास्तविक रखरखाव का अवलोकन करने का आमंत्रण दिया।

उन्होंने रेलवे प्रणालियों की विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ाने में एआई और डेटा एनालिटिक्स की भूमिका पर जोर दिया। प्रो. संतोष विश्वास ने कार्यक्रम को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और नवाचार-आधारित स्टार्टअप्स एवं क्रियान्वयन-उन्मुख परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह का समापन डॉ. शशांक कुर्म, सहायक प्रोफेसर, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम प्रतिभागियों को रेलवे संचालन और रखरखाव की वास्तविक चुनौतियों से निपटने, सिद्धांत और व्यावहारिक अभ्यास का संतुलित मिश्रण प्रदान करने तथा एआई आधारित फॉल्ट प्रेडिक्शन तकनीकों से परिचित कराने का अवसर देगा। यह सहयोग IIT भिलाई और स्श्वष्टक्रकी तकनीकी क्षमता और कौशल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

नई उद्योग नीति से बस्तर में होगा विकास का नया सूर्योदयः रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा है कि कुछ साल पहले तक जो बस्तर लाल आतंक के साये में जी रहा था, जहां की धरती पर खून से मौतों की इबारत लिखी जाती थी, आज उस बस्तर की धरती पर हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने श्रम, लगन और पसीने से विकास की इबारत लिख रहे हैं। साय सरकार की नई और शानदार उद्योग नीति बस्तर के विकास का नया सूर्योदय लेकर आई है। अब बस्तर भी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सहचर बन सकेगा।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने यह बातें बस्तर कनेक्ट कार्यक्रम के संदर्भ में कही हैं। उन्होंने कहा है कि आदिवासी स्वार्थी नहीं होते, वे परोपकार, जनसेवा, परहित और धरती माता की सेवा करने पर

विश्वास रखते हैं। हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी सच्चे मन से अपना आदिवासी- धर्म निभाते हुए छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में रत हैं। सुश्री कौशल ने कहा कि जिस बस्तर को अति पिछड़ा क्षेत्र और नक्सल समस्या से ग्रसित माना जाता था, आज वही बस्तर विकास पथ पर सरपट दौड़ रहा है। बिजली, पेयजल, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, खेल गतिविधियां हो या कोई अन्य मुद्दा, किसी भी मामले में बस्तर राज्य के दूसरे प्रगतिशील संभागों से पीछे नहीं रह गया है। यह साय के सुशासन का कमाल है। रत्नावली कौशल ने कहा कि साय सरकार की नई पारदर्शी उद्योग नीति बस्तर के लिए वरदान साबित हो रही है। बस्तर अब निवेश, अवसर और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है। यहां उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन में समावेशी विकास की गूंज सुनाई दे रही है। यह बदलाव न केवल बस्तर की तस्वीर बदल रहा है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की गाथा भी लिख रहा है। सुश्री कौशल ने कहा कि बस्तर के विकास को गति देने के लिए मोदी जी की सरकार ने 5 हजार 200 करोड़ की रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें 3,513.11 करोड़ की रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन और कोत्तवलसा- किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। ये परियोजनाएं न केवल बस्तर में यात्रा, पर्यटन और व्यापार को नई दिशा देंगी, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार और औद्योगिक अवसर भी सृजित करेंगी। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से नक्सलवाद के उन्मूलन में भी तेजी आएगी। बस्तर में 2300 करोड़ की सड़क विकास परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं। बस्तर संभाग अब छत्तीसगढ़ केद्ध सबसे विकसित और समृद्ध क्षेत्रों में से एक बनने की राह पर अग्रसर है। रत्नावली ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारें मिलकर धमतरी, कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर मार्ग का एक वैकल्पिक रास्ता बना रही हैं, जो कांकेर, अंतागढ़, नारायणपुर के अबूझमाड़ होते हुए दंतेवाड़ा के बारसूर और आगे बीजापुर तक पहुंचेगा। इन परियोजनाओं से बस्तर के सभी जिलों तक पहुंचने के लिए कई रास्ते उपलब्ध होंगे। बस्तर अब संघर्ष की भूमि से आगे बढ़कर संपर्क, समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक बन रहा है।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने कहा कि बस्तर में राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा विशाल इस्पात संयंत्र तो स्थापित किया ही गया है, अब 43 हजार करोड़ तथा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल हेतु 200 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। ये निवेश बस्तर की आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बड़े सार्वजनिक निवेशों के साथ-साथ लगभग 1,000 करोड़ का निजी निवेश भी सेवा क्षेत्र और एमएसएमई में किया जा रहा है। यह विकास रोजगार के अवसर बढ़ाएगा।350 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी निजी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहा है। 550 करोड़ रुपये के निवेश और 200 रोजगार अवसरों के साथ यह परियोजना बस्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई देगी और इसे मेडिकल शिक्षा का केंद्र बनाएगी।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

ऑल इंडिया नेवल कैंप से लौटे कैडेट्स का छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में हुआ स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर के एन.सी.सी. नेवल डिवीजन के तीन कैडेट्स अंकुर तिवारी (बी.एससी. पंचम सेमेस्टर), पुनीत साहू (बी.ए. पंचम सेमेस्टर) एवं पंकज साहू (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर) ने देश के प्रतिष्ठित ऑल इंडिया नेवल कैंप में प्रतिभाग कर महाविद्यालय और राज्य का नाम गौरवान्वित किया। यह कैंप 1 से 12 सितम्बर तक मुंबई के कोलाबा नौसैनिक बेस में आयोजित हुआ, जिसमें पूरे देश के 17 एन.सी.सी. निदेशालयों से 600 से अधिक कैडेट्स शामिल हुए। छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश निदेशालय की 36 सदस्यीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए इन कैडेट्स ने अनुशासन, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। 40 दिनों की कठिन तैयारी और चयन प्रक्रिया के बाद चयनित इन कैडेट्स ने कैंप में सीमैनशिप, बोट पुलिंग, रेजिंग, वॉटर स्टेटिक, इंटरव्यू, रिले रेस तथा विभिन्न नौसैनिक विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय में लौटने पर प्राचार्य डॉ. नेहरू नाग,एन. सी. सी.के लेफ्टिनेंट डॉ. अनिल रामटेके सहित प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने कैडेट्स का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस से सौजन्य मुलाकात

रायपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस जी का रायपुर प्रवास के दौरान राष्ट्र चेतना सदन, जीवन विहार में सौजन्य मुलाकात कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर संगठन से जुड़े अनेक प्रांत स्तरीय पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान प्रांत संगठन मंत्री रामपाल जानोद, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शोभा पंडित, प्रशिक्षण प्रमुख अमित वर्मा, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य डॉ. निर्भय शर्मा, मरीन ड्राइव डायरेक्टर राजीव सेंगर, प्रकाश शर्मा (छत्तीसगढ़ प्रभारी, राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच एवं एच. डी. महंत विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन के कार्य विस्तार, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा एवं जनजागरण अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने उपभोक्ता अधिकारों को जन-जन तक पहुँचाने तथा समाज में पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर बल दिया। दिनकर सबनीस ने कहा कि ग्राहक पंचायत देशभर में उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर सक्रिय है और आने वाले समय में संगठन की भूमिका और सशक्त होगी। इस सौजन्य भेंट ने न केवल संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा दी, बल्कि उपभोक्ता अधिकार आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए साझा संकल्प का भी मार्ग प्रशस्त किया।

कबीरधाम जिले में शुरू हुई सौर ऊर्जा क्रांति की कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना कबीरधाम जिले में सौर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह प्रशस्त कर रही है। कबीरधाम जिले के 11 परिवारों ने अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर यह संदेश दिया है कि यह योजना केवल बिजली बिल की बचत का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक जनआंदोलन है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले में योजना का क्रियान्वयन तीव्र गति से हो रहा है। अब तक जिले में 94 से अधिक हितग्राही वेंडरों का चयन कर चुके हैं तथा कई लाभार्थियों को सब्सिडी राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। आने वाले महीनों में हजारों परिवार इस योजना से जुड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

कबीरधाम जिले के 11 परिवारों ने योजना का लाभ उठाते हुए अपने घरों की छतों पर 1 से 3 किलोवाट क्षमता वाले सोलर पैनल स्थापित किए हैं। इनमें योगेन्द्र सिंह कश्यप (राजमहल चौक, कवर्धा), नरेश कुमार चंद्रवंशी एवं रितेश कुमार चंद्रवंशी (दौजरी), सतीश कुमार धवलकर (मठपारा वार्ड-3), श्रीमती लीना तिवारी (मठपारा वार्ड-12), रोशन राम (नागर जवादन रोड), कुमारी देवी सोम (श्याम नगर), ओंकार साहू (रामनगर), श्रीमती सरोज बाई ठाकुर और श्रीमती माधुरी (कालिका नगर) शामिल हैं। इन सोलर पैनलों से प्रतिमाह लगभग 300 यूनिट मुफ्त बिजली का उत्पादन हो रहा है। अतिरिक्त बिजली को सीएसपीडीसीएल ग्रिड में भेजकर ये परिवार आगामी बिलों में क्रेडिट का लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

योगेन्द्र सिंह कश्यप ने बताया कि पहले हर माह बिजली बिल की चिंता रहती थी, अब सोलर पैनल लगने से यह समस्या समाप्त हो गई है। नरेश कुमार चंद्रवंशी, ग्राम दौजरी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से आत्मनिर्भरता का अनुभव हो रहा है। अब हम केवल उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन गए हैं। लीना तिवारी ने बताया कि सोलर से घर की जरूरतें पूरी हो रही हैं और अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से आगामी बिलों में भी लाभ मिल रहा है। सतीश कुमार धवलकर ने कहा कि सूर्यघर योजना से घर रोशन हो गया है और खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने जिले के प्रत्येक परिवार से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बने ग्राम परसदा के अजय पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने गांव-गांव के आम परिवारों को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह दिखाई है। यह योजना न केवल बिजली बिल से राहत दे रही है, बल्कि उपभोक्ताओं को ऊर्जा उत्पादक के रूप में भी सशक्त बना रही है। ग्राम परसदा निवासी अजय पटेल इसके उदाहरण हैं। अजय पटेल ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित किया है। जून 2025 में उनके प्लांट से 171 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 79 रुपए की छूट प्राप्त हुई। वहीं जुलाई 2025 में उत्पादन बढ़कर 190 यूनिट तक पहुँचा, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 250 रुपए की छूट मिली। अजय पटेल बताते हैं कि अब हर माह बिजली बिल चुकाने की चिंता से मुक्ति मिल गई है। बचत से घर के अन्य खर्च पूरे करने में आसानी हो रही है और परिवार को आर्थिक मजबूती मिल रही है। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आमजन के लिए वरदान साबित हो रही है।

यह योजना केवल एक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज को हरित भविष्य और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में अग्रसर कर रही है। रूफ्टॉप सोलर प्लांट से मिलने वाली बिजली से न केवल आर्थिक बोझ कम हो रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिल रहा है।

कबीरधाम जिले के अधीक्षण अभियंता श्री रंजीत घोष ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को 1 से 3 किलोवाट क्षमता वाले सोलर सिस्टम लगाने पर 45 हजार रुपए से लेकर 1 लाख 8 हजार रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना के लिए प्राप्त प्रत्येक आवेदन को शामिल कर लाभान्वित किया जाएगा। यह योजना न केवल बिजली बिलों में बचत और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए एक ऊर्जा क्रांति का आधार भी बन रही है।

समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का विशेष स्थान

आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे विकास, पर्यटन स्थलों के विकास से पर्यटक होंगे आकर्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण को भी प्रोत्साहित करता है। यह विभिन्न संस्कृतियों के बीच समझ को बढ़ावा देता है, जिससे लोगों को एक-दूसरे की परंपराओं और मूल्यों को सीखने का अवसर मिलता है। सतत पर्यटन को बढ़ावा देने से यह सुनिश्चित होता है कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधन भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि पर्यटकों को आकर्षित करके, पर्यटन आतिथ्य, परिवहन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में राजस्व, रोजगार और स्वरोजगार के व्यावसायिक अवसर पैदा होते हैं। छत्तीसगढ अपनी समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और विविध संस्कृति के कारण पर्यटन के क्षेत्र में अपना अलग स्थान रखता है।

जशपुर जिले में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय पर्यटन समिति की बैठक आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे विकास, पर्यटन स्थलों का विकास, पर्यटन प्रचार-प्रसार और पर्यटन संबंधी अन्य विषय शामिल थे। जशपुर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिले के पर्यटन समिति की बैठक में

आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे विकास की पहल हेतु प्रमुख पर्यटन स्थलों के समीप कलस्टर तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा जिले में पर्यटन विकास कार्यों हेतु विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मयाली सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ के विकास हेतु डीपीआर तैयार करने और आवश्यक एनओसी एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा ग्राम बालाछापर, जशपुर में विकसित एथनिक टूरिस्ट विलेज में स्थानीय हस्तशिल्प के निर्माण, प्रदर्शन और विक्रय की प्रगति की समीक्षा की गई। बगीचा के पर्यटन स्थल दनगरी, राजपुर कैलाशगुफा, खुड़िया रानी के विकास कार्य की प्रगति की भी समीक्षा किया गया और कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र, फाइनल व्यय राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र और फोटोग्राफ्स शासन को उपलब्ध कराने संबंधित कार्य एजेंसी को निर्देश दिया गया। पर्यटन प्रचार-प्रसार के लिए विशेष रूप से कुनकुरी-झारसुगड़ा मार्ग और जशपुर-गुमला मार्ग पर होर्डिंग स्थापित करने आम लोगों को प्रोत्साहित करने के साथ ही पर्यटक ऑकड़ों के संकलन और गणना हेतु सर्वे कार्य 2025 की योजना बनाने के लिए कहा गया। इसके अलावा जशपुर चाय बगान से निर्मित ग्रीन टी, टी बैग और चाय पत्ती का पर्यटन विभाग के होटल, मोटल और रिसॉर्ट में उपयोग करने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर जशपुर ने मयाली से किनकेल पर्यटन समिति का प्रशिक्षण आयोजित करने, शारदा धाम का मास्टर प्लान तैयार करने सहित कोतेबीरा में कैंपिंग और क्लाइंबिंग वॉल, जशपुर जंबोरी 2025 की तैयारी की समीक्षा और आगे की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने आगामी पर्यटन कार्यक्रमों की योजना बनाने सहित नए पर्यटन स्थलों के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करने संबंधित विभाग के अधिकारियों को समन्वित कार्य करने कहा, जिनमें स्टार गेज़िंग फेस्टिवल, बटरफ्लाई मीट, टी फेस्टिवल, मेटिअर शावर ऑब्ज़र्वेशन, बर्ड फेस्टिवल और विंटर बाइक ट्रेल शामिल हैं।

मनरेगा से मिली नई राह : कुएं के निर्माण से रामनारायण के खेतों में लहलहाई हरियाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने में लगातार नई मिसालें गढ़ रही है। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत दहिदा में कुआं निर्माण कार्य ने किसान रामनारायण के जीवन को नई दिशा दी है।

पूर्व में रामनारायण पानी की समस्या से अत्यंत परेशान थे। खेतों में सिंचाई की सुविधा न होने से फसलें सूख जाती थीं और परिवार को पीने व घरेलू उपयोग के लिए भी पानी दूर-दराज से लाना पड़ता था। खेती करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया था। ऐसी कठिन परिस्थिति में मनरेगा योजना उनके लिए संजीवनी साबित हुई।

ग्राम सभा एवं रोजगार सहायक से जानकारी प्राप्त कर श्री रामनारायण ने कुआं निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिसे ग्राम सभा द्वारा स्वीकृत कर वर्ष 2023-24 में 2.52 लाख रुपये की लागत से मंजूरी दी गई। इस कार्य से 354 मानव दिवस का सृजन हुआ। प्रारंभिक कठिनाइयों—कठोर मिट्टी एवं गहराई में चट्टानों जैसी बाधाओं—के बावजूद पंचायत, तकनीकी दल एवं मजदूरों के सामूहिक प्रयास से कुआं निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

आज कुआं बनने से रामनारायण के खेतों में हरियाली लौट आई है। सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध होने से फसलें लहलहाने लगी हैं, पशुओं के लिए पानी की स्थायी व्यवस्था हो गई है तथा परिवार की आय में वृद्धि हुई है। इससे उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। श्री रामनारायण का कहना है कि पहले खेती करना कठिन हो गया था, परंतु कुआं निर्माण से अब न केवल खेतों में पानी की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि घर और पशुओं के लिए भी पर्याप्त पानी मिल रहा है।

आय बढ़ने से परिवार का जीवन सुखमय हो गया है। इस कार्य से न केवल रामनारायण का परिवार लाभान्वित हुआ है, बल्कि गाँव के अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिली है। दहिदा पंचायत में हुए इस कुआं निर्माण कार्य ने जल संरक्षण और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बिहान से अनिता की बदली किस्मत : हॉलर मिल, किराना एवं पत्तल-दोना व्यवसाय से बनी लखपति दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर संभाग के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले पेंड्रा विकासखंड के ग्राम भाड़ी की मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली अनिता आज 'लखपति दीदी' के नाम से प्रसिद्ध हैं। उनकी यह सफलता ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान योजना' की देन है, जिसने उन्हें स्वावलंबन की राह दिखाई।

अनिता ने बताया कि वह शुरू से ही कुछ कर दिखाने की चाह रखती थीं, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा था। जब उन्होंने संतोषी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी और बिहान योजना के अंतर्गत लोन की सुविधा पाई, तो उन्होंने अपने सपनों को आकार देना शुरू किया। उन्होंने एक लाख रुपए लोन लेकर हॉलर मिल, दोना-पत्तल निर्माण मशीन और किराना दुकान की शुरुआत की। धीरे-धीरे मेहनत रंग लाई और आज वे इन तीनों गतिविधियों से अच्छी-खासी आमदनी अर्जित कर रही हैं। उनके जीवन की दिशा बदल गई और अब वे आत्मनिर्भर, सशक्त और प्रेरणास्रोत बन चुकी हैं। अनिता ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूह में शामिल होने के बाद उन्हें आत्मबल मिला और समूह की मदद से उन्होंने व्यापार की मूल सीखी। आज वे अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं कि वे स्वयं पर विश्वास रखें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनें। अनिता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनकी योजनाओं ने गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य अनिता ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि वे समूह से जुड़ने के बाद व्यवसायिक गतिविधियों से प्रतिमाह लगभग 18 हजार रुपए तक कमा लेती हैं। उनका आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान अब पहले से कई गुना बढ़ चुका है। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जो क्रांति आ रही है, वह निश्चित ही आने वाले समय में गांवों की आर्थिक दशा को मजबूत बनाएगी। श्रीमती अनिता जैसी महिलाएं आज इस परिवर्तन की अग्रदूत बनकर सामने आ रही हैं।

नियद नेल्ला नार सुदूर गांवों के लिए सौगात: नम्बी गांव में अब हर घर तक पहुंचा शुद्ध पेयजल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला बीजापुर के उसूर विकासखंड का नम्बी गांव, जो कभी विकास से कोसों दूर था, आज जल जीवन मिशन योजना के तहत एक प्रेरणास्पद सफलता की कहानी बनकर उभरा है। बीहड़ और दुर्गम जंगलों के बीच स्थित यह गांव, जहां बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना एक समय में असंभव सा प्रतीत होता था, अब छत्तीसगढ़ सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और नियद नेल्ला नार योजना की मदद से विकास की मुख्यधारा में जुड़ गया है।

जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत नम्बी गांव में कुल 28.18 लाख रुपये की लागत से तीन सौर ऊर्जा संचालित नलकूप स्थापित किए गए। इस योजना के अंतर्गत 5185 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे गांव के 76 परिवारों को हर घर नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिल रहा है। यह गांव अब उन गांवों में शामिल हो गया है, जहां शत-प्रतिशत घरों में नल से जल की सुविधा उपलब्ध है।

15 जुलाई को नम्बी गांव में ग्राम सभा के तत्वाधान में हर घर जल उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांव की सरपंच सुशीला काका, सचिव पांडा कावरे और समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस दौरान, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा गांव को हर घर जल प्रमाणित किया गया। यह प्रमाणन दर्शाता है कि गांव के प्रत्येक घर में नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

इस योजना के संचालन और संधारण की जिम्मेदारी अब पंचायत को सौंप दी गई है, जिससे गांव में जल आपूर्ति व्यवस्था स्थायीत्व की ओर अग्रसर हो रही है। पंचायत की निगरानी में यह योजना अब स्थानीय सहभागिता से और भी बेहतर तरीके से संचालित होगी।

भाजपा मनाएगी सेवा ही समर्पण पखवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक विभिन्न कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक संगठन आधारित कार्यक्रम सेवा ही समर्पण पखवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सेवा ही समर्पण पखवाड़े में भाजपा द्वारा स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम (वृक्षारोपण), रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर जैसे अन्य कार्यक्रम तय किए गए हैं।

कार्यक्रमों के संदर्भ में सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय (एकात्म परिसर) में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। भाजपा रायपुर शहर जिला की बैठक में जिले एवं मंडल पदाधिकारियों सहित मोर्चा प्रमुखों को कार्यक्रम के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई एवं साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों हेतु प्रभारियों को नियुक्त कर दायित्व सौंपे गए। जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में जिला, मंडल एवं मोर्चा प्रमुखों को श्री ठाकुर ने संबोधित करते हुए सेवा ही समर्पण पखवाड़े के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक हमे स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री श्री मोदी के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, प्रबुद्ध जन संवाद सम्मेलन, दिव्यांग जन एवं अन्य विशिष्ट वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, वोकल फॉर लोकल का प्रचार, प्रधानमंत्री पर चयनित पुस्तकों का वितरण, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता एवं विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करना शीर्ष नेतृत्व द्वारा तय किया गया है।

श्री ठाकुर ने सभी जिला भाजपा के कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं आम जनमानस को भी कार्यक्रम से जोड़ने की अपील की।

प्रियदर्शन को नहीं थी 'लोका चैप्टर 1' की सफलता की उम्मीद, ममूटी भी हुए हैरान

दुलकर सलमान ने बताया पिता का रिएक्शन

मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1 - चंद्रा' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म इस साल की एक सरप्राइज हिट निकली। फिल्म की कहानी और कल्याणी प्रियदर्शन की एक्टिंग ने लोगों को काफी प्रभावित किया। अब फिल्म के प्रोड्यूसर व अभिनेता दुलकर सलमान ने खुलासा किया कि उनके पिता व दिग्गज अभिनेता ममूटी और कल्याणी के पिता व दिग्गज फिल्ममेकर प्रियदर्शन को फिल्म के सफल होने की उम्मीद नहीं थी।

द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान दुलकर सलमान ने बताया कि कैसे उनके और कल्याणी के पिता इस फिल्म को लेकर चिंतित थे, लेकिन अब उन्हें इस पर गर्व है। कल्याणी ने फिल्म की सफलता पर अपने पिता प्रियदर्शन की प्रतिक्रिया का भी खुलासा किया। दुलकर ने कहा कि उनके पिता को 'लोका' से बिल्कुल भी उम्मीदें नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'तुम क्या सोच रहे थे? तुम यह शर्त क्यों लगा रहे हो?' मैंने उनसे सच-सच कहा - मुझे नहीं पता था। मुझे बस इस विचार पर विश्वास था। यह सही लगा। मेरे पिता भी चिंतित थे। उन्हें लगा कि हम थोड़े पागल हो गए हैं, लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व है।

प्रियदर्शन ने दी बेटी कल्याणी को सलाह

वहीं इस दौरान अभिनेत्री कल्याणी ने लोका की सफलता पर अपने पिता व निर्देशक प्रियदर्शन की प्रतिक्रिया को याद करते हुए कहा कि सब कुछ हो जाने के बाद उन्होंने मुझे जो पहला संदेश भेजा, वह था, 'सफलता को अपने सिर पर मत चढ़ने दो और असफलता को अपने दिल पर मत चढ़ने दो।' वह अक्सर ऐसा कहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने इसे एक रिमाइंडर के तौर पर भेजा है और वह मुझे हर दिन याद दिलाते रहते हैं। यही बात मैं हमेशा याद रखती हूं।

बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई 'लोका'

'लोका चैप्टर 1 - चंद्रा' ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की है। यह 200 करोड़ की कमाई करने वाली पहली महिला आधारित मलयालम फिल्म बन गई। इसके साथ ही कल्याणी प्रियदर्शन 200 करोड़ की कमाई करने वाली पहली मलयालम अभिनेत्री बन गई हैं। साथ ही लोका पहली मलयालम सुपर वूमेन फिल्म है। डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित 'लोका चैप्टर 1' में कल्याणी प्रियदर्शन के साथ नस्लेन, सैंडी मास्टर के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजयराघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं', निशानची को लेकर अनुराग बोले- इस बार पैसे भी कमाऊंगा

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'निशानची' के जरिए अनुराग एक बार फिर गैंग्स ऑफवासेपुर जैसी एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसमें जबरदस्त गैंगवॉर देखने को मिलेगी। अब अनुराग ने फिल्म में नए चेहरों को लेने, फिल्म की कास्टिंग और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के उनके लिए मायने को लेकर बात की।

टेली टॉक इंडिया से बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से जावेद अख्तर द्वारा उनकी फिल्म 'मुक्काबाज' को लेकर की गई टिप्पणी पर सवाल किया गया। दरअसल, जावेद अख्तर ने अनुराग से पूछा था कि उन्होंने ऐसी फिल्म क्यों बनाई जिसका अंत कोई कमाई नहीं करेगा। अब इस टिप्पणी को लेकर अनुराग ने निशानची के बारे में कहा कि इस बार अंत ऐसा होगा जावेद साहब कि मैं पैसे कमाऊंगा।

मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं

अपनी फिल्म में नए कलाकारों को कास्ट करने के बारे में अनुराग ने कहा कि मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं। क्या मैं उनमें किरदार देख सकता हूं, वे कितनी मेहनत कर रहे हैं और फिल्म के लिए कितना समय दे रहे हैं? बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मैं किसी को मौका दे रहा हूं। मुख्य किरदार ढूंढ रहा हूं। अगर मैं 'निशानची' बना रहा हूं, तो मैं बबलू और डबलू को ढूंढ रहा हूं, मैं रिंकू को ढूंढ रहा हूं, मैं उनकी मां को ढूंढ रहा हूं। मैं अपने किरदारों को ढूंढ रहा हूं। मुझे यह उनमें मिला। मैंने उनके परिवारों से बात की और उनसे कहा कि मुझे इसे बनाने के लिए समय चाहिए होगा।

ऐश्वर्य ने की काफी मेहनत

ऐश्वर्य ठाकरे की तैयारी के बारे में अनुराग ने बताया कि ऐश्वर्य मुंबई से आते हैं, लेकिन उन्हें कनपुरिया बनना था। इसके लिए ऐश्वर्य ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मुझे चार साल दिए और फिर हमने फिल्म शुरू की। फिल्म मेकिंग को लेकर अनुराग ने कहा कि अगर आप सिर्फ अपने ही मसाले के साथ काम करते हैं, तो आप अप्रासंगिक हो सकते हैं। मैं भी दूसरों से सीखता हूं। मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं और मैं अटकना नहीं चाहता। मैं फॉर्मूले और ऐसे लोगों से दूर रहता हूं जो मुझे नीचे गिराते हैं।

19 सितंबर को रिलीज होगी 'निशानची'

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह एक गैंगस्टर हार्टलैंड ड्रामा है। इसमें ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में हैं।

सोमवार आते ही लुढ़की 'मिराय' की कमाई, 'डेमन स्लेयर' भी हुई बेअसर- जानें बाकी फिल्मों का हाल

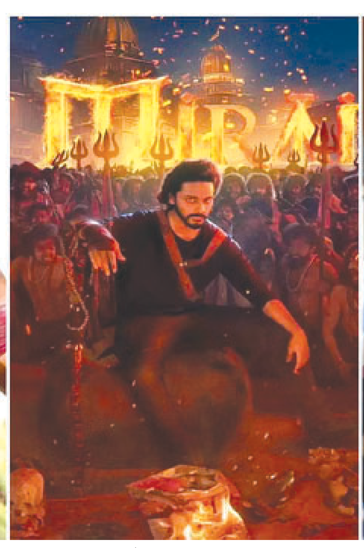

सिनेमाघरों में इन दिनों दर्शकों के आनंद का ठिकाना नहीं है, क्योंकि उन्हें जबरदस्त फिल्मों का दीदार करने को मिल रहा है। बीते दिन सोमवार को फिल्मों की कमाई में काफी गिरावट देखने को मिली। 'मिराय' को तगड़ा झटका लगा है, वहीं 'डेमन स्लेयर' भी बेअसर सी लगी। इसके अलावा 'बागी 4', 'द कॉन्ज्यूरिंग लास्ट राइट्स' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लाखों में सिमटती दिखीं। चलिए जानते हैं क्या रही फिल्मों की कमाई।

मिराय

साउथ अभिनेता तेजा सज्जा अभिनीत 'मिराय' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 13 करोड़ रुपये की कमाई से शुरुआत की थी। वहीं बीते दिन सोमवार को फिल्म ने 6 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को इसने 16.6 करोड़ रुपये कमाए थे। यह दिखाता है कि 'मिराय' की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है। इस फिल्म ने अभी तक बॉक्स ऑफिस पर 50.60 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म में तेज सज्जा के अलावा मांचू मनोज भी मौजूद हैं, जो खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

डेमन स्लेयर

जापानी एनिमे फिल्म 'डेमन स्लेयर' ने भी भारत के बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी। इस फिल्म ने बीते दिन सोमवार को मात्र 3.2 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि इसने रविवार को 14 करोड़ रुपये के आस-पास का कलेक्शन किया था। 'डेमन स्लेयर' ने अभी तक बॉक्स ऑफिस पर 44.2 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

बागी 4

टाइगर श्रॉफकी फिल्म 'बागी 4' 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर मात्र 75 लाख रुपये कमाए, जबकि इसने रविवार को 2.15 करोड़ रुपये कमाए थे। इस हिसाब से अभी तक 11 दिनों 'बागी 4' ने कुल 50.40 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें, तो इसमें टाइगर श्रॉफ के अलावा संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज कौर सिंधू जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

द बंगाल फाइल्स

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी 'द बंगाल फाइल्स' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 11 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म ने सोमवार को सिर्फ 30 लाख रुपये कमाए, जबकि इसने रविवार को 1.1 करोड़ रुपये कमाए थे। अभी तक फिल्म के लिए यह दूसरा मौका है, जब इसने लाखों में कमाई की। 'द बंगाल फाइल्स' ने अभी तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 14.4 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

लोका चैप्टर 1

कल्याणी प्रियदर्शन अभिनीत मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म ने सोमवार को 2.65 करोड़ रुपये कमाए, जबकि इसने रविवार को 7 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 122.05 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

रिपोटर्स में दावा कटरीना कैफ बनने वाली हैं मां

अक्टूबर-नवंबर में बच्चा ले सकता है जन्म

बॉलीवुड कपल कटरीना कैफऔर विक्की कौशल जल्द माता-पिता बन सकते हैं। हालांकि, कपल ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एक टीवी चैनल की रिपोर्ट के अनुसार कैटरीना कैफ प्रेग्नेंट हैं और बच्चा अक्टूबर-नवंबर में जन्म लेगा।

बता दें कि कई महीनों से कटरीना के प्रेग्नेंसी की खबरें चर्चा में रही हैं। कपल इस पर चुप्पी साधे हुए हैं और मीडिया से दूर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अफवाहों के बाद कटरीना लाइमलाइट से दूर हैं। ऐसा भी बताया गया है कि बच्चा आने के बाद वह लंबा मैटर्निटी ब्रेक लेंगी। सूत्रों के अनुसार, वह अपने बच्चे के साथ समय बिताना चाहती हैं। वहीं, इससे पहले कटरीना के प्रेग्नेंसी अफवाहों पर विक्की कौशल का रिएक्शन भी सामने आया था। जून 2024 में फिल्म 'बैड न्यूज' के ट्रेलर लॉन्च पर उनसे इस बारे में सवाल किया गया था। जिस पर विक्की ने कहा था, जहां तक गुड न्यूज की बात है, हम इसे आपके साथ शेयर करेंगे। अभी अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। अभी 'बैड न्यूज' को इंजॉय लीजिए। जब अच्छी खबर आएगी, हम जरूर बताएंगे।

बता दें कि कटरीना और विक्की की शादी 2021 में हुई थी। इस शादी में केवल करीबी लोग शामिल हुए थे। कपल अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की आखिरी बार फिल्म 'छावा' में नजर आए थे।

ऐश्वर्या और अभिषेक के बाद करण जौहर पहुंचे दिल्ली हाईकोर्ट- बिना परमिशन फोटो, आवाज के इस्तेमाल पर की रोक लगाने की मांग

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन बाद अब प्रोड्यूसर- डायरेक्टर करण जौहर ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बिना उनकी अनुमति के उनके फोटो, आवाज और अन्य व्यक्तिगत प्रतीकों का इस्तेमाल नहीं करने की मांग की है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक करण जौहर ने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उन्होंने लोगों को उनके नाम पर अवैध रूप से सामान बेचने से रोकने की मांग की है। करण जौहर ने आज सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर अपनी पहचान और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है।

करण जौहर की यह याचिका न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा के समक्ष सुनवाई के लिए आई है, जिन्होंने उनके वकील से कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं। करण जौहर ने अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के अलावा अदालत से यह अनुरोध भी किया है कि कुछ वेबसाइट्स और प्लेटफॉर्म्स को निर्देश देने के लिए एक आदेश पारित किया जाए कि वे उनके नाम और तस्वीर वाले मग और टी-शर्ट सहित अन्य सामान की अवैध बिक्री न करें।

इस मामले में ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को भी दिल्ली हाई कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को एक्टर की अनुमति के बिना उनके नाम, तस्वीरें और आवाज के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। साथ ही अभिषेक की AI से जनरेट की गई तस्वीरों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है।

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन से पहले इसी साल मई में एक्टर जैकी श्रॉफ भी कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी इमेज और वीडियो बदलकर बिना इजाजत मर्चेंडाइज बेचा जा रहा है। उस समय कोर्ट ने उनके पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स को भी सुरक्षित किया था।

साल 2023 में कोर्ट ने अनिल कपूर की इमेज, वॉयस और उनके झकास कैचफ्रेज का गलत इस्तेमाल पर रोक लगाई थी। वहीं, नवंबर 2022 में अमिताभ बच्चन की पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की भी सुरक्षा दी गई थी।

सेहत : जो आप खा रहें हैं क्या वो हेल्थी है? जानिए असल में क्या खा रहे हैं आप

कुछ खाद्य पदार्थ हैं जिनका सेवन हम पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक समझकर करते हैं, परंतु असल में ये सेहत को नुक़सान पहुंचा सकते हैं। आजकल कई लोग पौष्टिक आहार की तरफ ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं। ख़ासतौर पर अधिक तेल, मैदा जैसी चीज़ों से जितना हो सके परहेज़ करने की कोशिश में हैं। लेकिन विडंबना यह है कि हम इनकी जगह जिन चीज़ों को स्वास्थ्यवर्धक समझकर खाते हैं, वे असल में हमारी सेहत को पहले से ज़्यादा नुक़सान पहुंचा सकती हैं।

1- आटे या हेल्दी बिस्किट

धारणा - गेहूं से बने या हेल्दी बिस्किट फाइबर से भरपूर और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं।
वास्तविकता - ज़्यादातर बिस्किट्स में मैदा, ताड़ का तेल, शक्कर और सोडियम अधिक होता है। प्रोसेस्ड स्नैक्स एलडीएल (ख़राब) कॉलेस्ट्रॉल के चलते हृदय रोग का ख़तरा बढ़ा सकते हैं।
बेहतर विकल्प - भुने हुए छोले, चने, मखाने या मुट्ठी भर मेवे खाएं।

2- फ्लेवर वाले योगर्ट

धारणा - फ्लेवर्ड योगर्ट पेट और हड्डियों के लिए फायदेमंद है।
वास्तविकता - इनमें 2-4 चम्मच शक्कर, कृत्रिम स्वाद और स्टेबलाइज़र मौजूद होते हैं। अतिरिक्त शक्कर मेटाबॉलिक सिंड्रोम और हृदय रोग का ख़तरा बढ़ा सकती है।
बेहतर विकल्प - घर में दही बनाएं और मिठास के लिए उसमें ताज़े फल या थोड़ा शहद मिलाएं।

3- लो फैट पैकेज्ड खाद्य पदार्थ

धारणा- कम फैट होने के कारण यह हृदय के लिए अच्छा है।
वास्तविकता- फैट कम करने के लिए अक्सर शक्कर, स्टार्च और नमक मिलाया जाता है, जो रक्त शर्करा बढ़ा सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है।
बेहतर विकल्प- मेवे, बीज या एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल जैसे प्राकृतिक फैट चुनें।

4- इंस्टेंट ब्रेकफास्ट सीरियल्स

धारणा - पौष्टिक ब्रेकफास्ट से दिन की शुरुआत करते हैं।
वास्तविकता - 'होल ग्रेन' लेबल वाले अनाज भी शक्कर युक्त और प्रोसेस्ड हो सकते हैं। इनका उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स ब्लड शुगर को जल्दी बढ़ाकर फिर गिराता है, जिससे जल्दी भूख लगती है और मधुमेह या हृदय रोग का ख़तरा बढ़ता है।
बेहतर विकल्प - पकाए हुए ओट्स को फल, मेवे, बीजों के साथ खाएं।

5- पैकेज्ड नमकीन व स्नैक्स मिक्स

धारणा - नाश्ते के लिए हल्का व अच्छा विकल्प।
वास्तविकता - अधिकतर पैकेज्ड स्नैक्स तेल में तले जाते हैं, उनमें सोडियम और प्रिज़र्वेटिव्स ज़्यादा होते हैं। ज़्यादा सोडियम रक्तचाप बढ़ाता है और स्ट्रोक या हृदय रोग का खतरा बढ़ा सकता है।
बेहतर विकल्प - घर में भुने मेवे, बिना नमक वाले बीज या हल्के मसाले वाले मुरमुरे।

6- फलों का रस/जूस

धारणा - एक गिलास जूस दिन की शुरुआत के लिए अच्छा है।
वास्तविकता - फलों के जूस में सैच्युरेटेड शुगर होती है और जूस में फाइबर नहीं होता। शक्कर बिना फाइबर के जल्दी अवशोषित होती है, जिससे ब्लड शुगर और ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ सकते हैं। पैकेज्ड जूस में अतिरिक्त स्वीटनर और प्रिज़र्वेटिव्स भी होते हैं।
बेहतर विकल्प - साबुत फल खाएं या स्मूदी बनाएं, जिसमें चिया या अलसी जैसे बीज मिलाएं।

ये भी जोखिम सूची में शामिल

- ग्रेनोला बार या एनर्जी बार।
- डाइट सोडा या शुगर-फ्री ड्रिंक।
- विटामिन और मिनरल ड्रिंक।
- पैकेट वाले सूप या इंस्टेंट सूप।
- ओट्स कुकीज़ या मफिन।

वंचित वर्ग के उत्थान और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

स्वच्छ भारत मिशन, जनधन योजना और आवास योजना से लोगों के जीवन में आया बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गंगरेल बांध डुबान क्षेत्र की मछुआ सहकारी समितियों को पुनः मछली पालन का हक मिलने पर प्रभावित समितियों के सदस्यों ने विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए अभिनंदन किया। इस अवसर पर गंगरेल डुबान क्षेत्र के तीन जिलों—धमतरी, कांकेर और बालोद की 11 मछुआ सहकारी समितियों के सदस्यगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर ग्रामीणों की मांग पर डुबान क्षेत्र में जनसुविधा हेतु एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय बैंक की शाखा शीघ्र खोले जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयासरत है। विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से आम जनता को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हों और लोग सीधे लाभान्वित हो सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर में शौचालय निर्माण को बढ़ावा देकर बेटियों और महिलाओं को सम्मान दिलाने का कार्य किया है। आज स्वच्छ भारत मिशन एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से आम नागरिकों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है और विभिन्न योजनाओं का लाभ अब सीधे डीबीटी के माध्यम से हितग्राहियों तक पहुँच रहा है। इस व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका समाप्त की है और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महिला स्व-सहायता समूहों को पुनः रेडी-टू-ईट कार्य का जिम्मा सौंपा है, जिससे महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ग के उत्थान और सम्मान के लिए हमारी सरकार सतत कार्य कर रही है।

इस अवसर पर धमतरी महापौर रामू रोहरा एवं पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष हर्षिता पांडेय उपस्थित थीं। कार्यक्रम में गंगरेल बांध डुबान क्षेत्र की 11 मछुआ समितियों में ग्राम उरपुरी, तेलगुड़ा, मोगरागहन, कोलियारी पुराना, कोलियारी नया, गंगरेल, फुटहामुड़ा, तुमाबुजुर्ग, अलोरी, भिलाई एवं देवीनवागांव के सदस्यगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला पक्का मकान, लौटी परिवार की मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने विकासखंड गीदम अंतर्गत ग्राम पंचायत कौरगांव के इंदर राम का वर्षों पुराना सपना साकार कर दिया। अब उनके परिवार को सुरक्षित पक्के घर का सुख प्राप्त हुआ है।

श्री इंदर राम एक कृषि मजदूर हैं। लंबे समय से उनका परिवार मिट्टी की दीवार और घास- फूस की छत वाले कच्चे घर में रह रहा था। बरसात के दिनों में टपकती छत और कमजोर दीवारों के कारण उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में सांप-बिच्छु छोटे जीव जंतुओं का भय बना रहता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए असंभव प्रतीत होता था।

वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पात्रता सूची में नाम आने के बाद श्री इंदर राम को आवास निर्माण हेतु 1 लाख 20 हजार की राशि स्वीकृत हुई। इसके साथ ही मनरेगा के तहत 90 दिवस की मजदूरी का भुगतान भी सीधे उनके बैंक खाते में किया गया।

नया पक्का मकान बनने के बाद इंदर राम के परिवार की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। अब वे सुरक्षित छत तले रह रहे हैं और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी पा रहे हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और नई उम्मीदों का प्रतीक है।

पीएम सूर्यघर योजना से आत्मनिर्भर बनीं सोनकुंवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले के उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से घर-घर सौर ऊर्जा से रोशनी पहुँच रही है तथा उपभोक्ता बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले स्थित मेरेगांव की निवासी श्रीमती सोनकुंवर ध्रुव ने योजना का लाभ उठाते हुए अपने मकान की छत पर पाँच किलोवाट क्षमता का रूफ टॉप सोलर पैनल स्थापित किया है। सौर ऊर्जा से हो रहे उत्पादन से उनका पूरा घर रोशन हो रहा है। इससे उन्हें हर महीने आने वाले भारी-भरकम बिजली बिल से राहत मिली है और अब उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।

श्रीमती ध्रुव ने बताया कि उनके बड़े संयुक्त परिवार में बिजली की खपत अधिक थी, जिसके कारण हर माह बिजली बिल की राशि भी ज्यादा आती थी। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने तुरंत सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। लगभग 2 लाख 97 हजार रुपए की लागत वाले इस संयंत्र पर केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। अब वह न केवल अपने घर की आवश्यकता पूरी कर रही हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर सप्लाई भी कर रही हैं। श्रीमती ध्रुव ने बताया कि इस योजना से उन्हें न सिर्फ आर्थिक बचत हो रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देने का अवसर मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अन्य उपभोक्ताओं से भी अपील की कि वे योजना का लाभ लेकर बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर सोलर प्लांट स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। साथ ही, उपभोक्ताओं को 30 हजार रुपए से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस अभिनव पहल से न केवल बिजली बिलों में कमी आ रही है, बल्कि उपभोक्ता बिजली उत्पादन कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः सोलर पैनल स्थापना को लेकर लोगों में उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में नई राह प्रशस्त कर रही है। इस योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण घरेलू उपभोक्ता अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा आधारित रूफ्टॉप सोलर पैनल स्थापित कर रहे हैं और इसका लाभ उत्साहपूर्वक प्राप्त कर रहे हैं।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम अर्जुनी निवासी श्री जावेंद्र कुमार सोनी ने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। सोनी ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी जिला प्रशासन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से प्राप्त हुई। तत्पश्चात उन्होंने विद्युत विभाग से संपर्क कर सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण की तथा शासन द्वारा निर्धारित

सब्सिडी का लाभ उठाया। अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है और वे ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम आगे बढ़े हैं।

श्री सोनी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आमजन के लिए वास्तव में वरदान है। इस योजना से हमें मुफ्त बिजली का लाभ तो मिल ही रहा है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अन्य उपभोक्ताओं से भी इस योजना से जुड़ने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को 30 हजार रुपए से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है तथा प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाती है। योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता चउेनतलंहींतण्हवअण्पद पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर ऐप के माध्यम से पंजीयन करा सकते हैं। यह अभिनव पहल न केवल बिजली बिलों में कमी लाने में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि सौर ऊर्जा के माध्यम से उपभोक्ता आत्मनिर्भर बनते हुए पर्यावरण संरक्षण और नवीन रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप ने किया भारत रत्न विश्वेश्वरैया को नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर अभियंता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर के घड़ी चौक में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। उन्होंने कहा कि विश्वेश्वरैया ने अपने अद्वितीय योगदान और दूरदर्शी सोच से देश के निर्माण और विकास को नई दिशा दी तथा अभियंताओं की भूमिका और उनके योगदान को याद किया।

मंत्री कश्यप ने कहा कि डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया एक सिविल इंजीनियर, राजनेता और मैसूर के 19वें दीवान थे, जिन्होंने भारत के योगदान में अतुलनीय योगदान दिया। विश्वेश्वरैया की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियां में से एक मांड्या में कृष्ण राजा सागर बांध है। भारत के प्रथम अभियंता विश्वेश्वरैया को वर्ष 1955 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया था।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, छोटेडोंगर सरपंच संध्या पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मण्डावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी उसेण्डी जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के सदस्य एवं नगर पालिका के पार्षदगण, सर्वआदिवासी समाज के संरक्षक रूपसाय सलाम, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, कार्यपालन अभियंता अशोक चौधरी, कार्यपालन अभियंता विनय वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं सभी विभागीय अभियंता उपस्थित थे।

आयुष्मान योजना गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए सहायक, इससे उन्हें उपचार के लिए अस्पताल का चुनाव करने मिलता है विकल्पः अमित कटारिया

आयुष्मान योजना गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए सहायक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत सोमवार को न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाईन रायपुर में स्टेकहोल्डर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया की परिकल्पना एवं आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के मागदर्शन में यह वर्कशॉप आयोजित की गई।

योजनांतर्गत जनवरी 2025 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित बैठक में जानकारी दी गई थी कि छत्तीसगढ़ में देश में सबसे अधिक फ्रॉड क्लेम पाए गए हैं, और ऐसे अस्पतालों की संख्या के मामले में छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर है। वर्कशॉप में अस्पतालों को जानकारी दी गई कि ट्रिगर क्लेम को कैसे कम किया जा सकता है। साथ ही उन्हे जानकारी दी गई कि भविष्य में भी क्लेम, ट्रिगर नहीं हों।

अमित कटारिया द्वारा यह बताया गया कि आयुष्मान योजना गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए बहुत सहायक है। इस योजना से उन्हें अपने उपचार के लिए अस्पताल का चुनाव करने का विकल्प मिला है। उन्होने बताया कि गलत क्लेम करने से एक दुविधा की शुरुआत हो जाती है। इससे योजना की छवि धूमिल होती है और जनता व अस्पताल का विश्वास डगमगाता है। इससे वास्तविक मरीज जिसे उपचार मिलना चाहिए, अक्सर वंचित रह जाता है। साथ ही अस्पतालों के सही भुगतान में देरी होती है और ईमानदारी से काम करने वाले संस्थान भी प्रभावित होते हैं। और अंततः इसका सबसे बड़ा नुकसान गरीब और वंचित परिवार को उठाना पड़ता है, जिनके लिए यह योजना जीवनरेखा है।

साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि योजना में अस्पतालों का सही पंजीयन किया जाये और समय-समय पर उनका निरीक्षण किया जाये। शासकीय अस्पतालों द्वारा भी योजना में क्लेम करने के दौरान पूर्ण दस्तावेज़ अपलोड करें जिससे अनावश्यक क्लेम निरस्त न हों। उन्होने आशा जाहिर की कि हमारा राज्य योजना के सकारात्मक मानकों में पूरे देश में प्रथम स्थान पर आए।

इस वर्कशॉप में पूरे दिन में विभिन्न बिन्दुओ जैसे, योजना की सामान्य जानकारी, आयुष्मान कार्ड कैसे बनाया जाता है, वय वंदना योजना में आयुष्मान कार्ड कैसे बनाए जाएं, सही तरीके से क्लेम कैसे किए जाएं, दस्तावेज़ कैसे सही तरीके से बनाए जाएं, लिपिकीय त्रुटि कम से कम हों, योजना में क्या करना चाहिए व क्या नहीं करना चाहिए, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत आभा आई.डी. का उपयोग एवं कम्प्लांएट सॉफ्टवेयर का उपयोग आदि पर जानकारी दी गई। वर्कशॉप में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा अपनी शंकाओं को रखा गया जिसका समाधान, वक्ताओं द्वारा किया गया है।

इस वर्कशॉप में डॉ. सुरेन्द्र पामभोई, संचालक, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, छत्तीसगढ़, टी.एन. सिंह, राज्य सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, एन.आई.सी, छत्तीसगढ़, मनीष कोचर, तकनीकी निदेशक, एन.आई.सी, छत्तीसगढ़, डॉ. सुरेन्द्र शुक्ला, चेयरबोर्ड, हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया, छ.ग., सुश्री पूजा शुक्ला मिश्रा, संयुक्त संचालक (वित्त), एवं डॉ धर्मेंद्र गहवई, प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर, राज्य नोडल एजेंसी, छ.ग., राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार से प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक, जिला आयुष्मान नोडल अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक एवं अस्पताल सलाहकार एवं जिला रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर के निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

रेशम की डोर से बुनी आत्मनिर्भरता : दंतेवाड़ा की महिलाओं को मिली नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व एवं उनके मार्गदर्शन में कृषि, उद्यानिकी और मत्स्य पालन की तरह ही रेशम विभाग भी हितग्राहियों की आजीविका सशक्त करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विभाग की योजनाओं से लाभान्वित होकर जिले के स्व-सहायता समूह आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रहे हैं।

रेशम विभाग द्वारा हितग्राही समूहों को स्वस्थ रेशम कीट अंडे उपलब्ध कराए जाते हैं। इन अंडों से हैचिंग से लेकर कोसा निर्माण तक की संपूर्ण प्रक्रिया हितग्राही स्वयं करते हैं। तत्पश्चात तैयार कोसों के विक्रय से उन्हें आर्थिक आमदनी प्राप्त होती है। इसी क्रम में शासकीय रेशम केन्द्र, चितालंका की महिला स्व-सहायता समूह ने मलबरी रेशम कीट पालन का सफल संचालन कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष इन टसर रेशम कीट पालकों ने तेरह सौ स्वस्थ अंडों से 45 दिनों की अवधि में 45 हजार नग डाबा कोसा का उत्पादन किया गया। इन के विक्रय से समूह को 72 हजार 300 सौ रुपए की आय प्राप्त हुई। यह प्रथम फसल से हुई आमदनी समूह की महिलाओं के उत्साह और आत्मविश्वास को दोगुना कर रही है। अब समूह की महिलाएँ इस वित्तीय वर्ष में दूसरी एवं तीसरी फसल लेने के लिए पूरी तरह तैयार और प्रेरित हैं। यह पहल दंतेवाड़ा जिले में आजीविका संवर्धन और महिला सशक्तिकरण का मजबूत उदाहरण बनकर उभर रही है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेनेक्स एवं ग्रहलन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

तेलीबांधा क्षेत्र के फार्म हाउस में छापा, हुक्का तथा विदेशी शराब जब्त

रायपुर। तेलीबांधा स्थित फर्म हाउस में एक शराब पार्टी के दौरान पुलिस द्वारा मारे गए छापा में हुक्का पाट तथा विदेशी शराब बड़ी मात्रा जब्त की गई है। राजधानी में न्यूड पार्टी के पश्चात आज पुलिस को एक और सफलता मिली है। एक निजी फर्म हाउस में कई सफेद पोश की पार्टी में जमकर विदेशी शराब तथा हुक्का का प्रयोग करने वालों को पकड़ा गया। पहले आबकारी विभाग को इसकी सूचना दी गई, जिसमें आबकारी विभाग ने खानापूर्ति कर सिर्फ शराब की जब्ती दिखाई, लेकिन इसके पश्चात पुलिस को पता लगा तो वे चार दिवारी फांदकर फार्म हाउस पहुंचे जिसके कारण यहां पर भगदड़ मंच गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार यहां पर एक व्यक्ति चावला को हिरासत में लिया गया है, बाकी लोगों से पूछताछ की जा रही है। ज्ञात रहे हुक्का में चरस, अफिम का उपयोग किया जाता है, पुलिस इस संबंध में जानकारी ले रही है। ज्ञात रहे राजधानी में न्यूड पार्टी के आयोजन को लेकर काफी हल्ला मचा इसके पश्चात संबंधित लोगों की धरपकड़ की गई है। इन सभी से पूछताछ की जा रही है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफ के मामले में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की उरला थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से चाइल्ड पोर्नोग्राफ के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोपी पर आईटी एक्ट की धारा 67(b) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फ ोन जब्त कर फोरेंसिक जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि पुलिस को तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जानकारी मिली थी कि आरोपी उरला थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई में आरोपी मोहम्मद शाहिद (22 वर्ष), पिता मोहम्मद साहिम हुसैन, निवासी शुक्रवारी बाजार, बिरगांव, थाना उरला सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर नाबालिग बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का संग्रहण और प्रसार कर रहा था। प्राथमिक जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने इंस्टाग्राम जैसे ऑनलाइन समूहों में सामग्री साझा की थी। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया है, जिसमें संदेहास्पद सामग्री मिली है। मोबाइल का फोरेंसिक परीक्षण कराया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने कितने समूहों में सामग्री साझा की और उसका नेटवर्क कितना बड़ा है। आरोपी पर आईटी एक्ट की धारा 67(ङ्ग) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस धारा के तहत नाबालिगों से संबंधित अश्लील सामग्री का संग्रहण, प्रसारण या साझा करना अपराध है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

जशपुर में नर्स का कारनामा

इलाज के बहाने नवजात बच्ची को ले गई और कोरबा में दूसरी दंपति को दे दिया गोद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में हैरान कर देन वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने बच्ची को जन्म दिया तो वहां काम करने वाली नर्स ने नवजात बच्ची को इलाज के बहाने ले गई और कोरबा की एक दंपति को गोद दे दिया। नर्स महिला को बार बार गुमराह भी करती रही। बाद जब महिला को पता चला कि नर्स ने उसकी बच्ची को दूसरे को दे दिया है तो उसके होश उड़ गए। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने नर्स के साथ बच्ची को गोद लेने वाली दंपति को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार 13 सितंबर 2025 को प्रार्थी सुखदेव नाग निवासी कोडेकेला घरजियाबथान थाना पत्थलगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराया था। उसने बताया कि उसने अपनी पत्नी की मृत्यू के बाद दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी दिलासो बाई को 28 अगस्त 2025 को प्रसव पीड़ा होने पर शासकीय अस्पताल पत्थलगांव में भर्ती कराया। उसी दिन उसने बेटी को जन्म दिया। एक दिन बाद 30 अगस्त को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस दौरान प्रार्थी अपना सामान लेने चट्टानपारा पत्थलगांव गया हुआ था। वापस आने पर उसकी पत्नी ने बताया कि नर्स अनुपमा टोप्पो बच्ची को टीका लगवाने ले गई है और बताया कि बच्ची की तबियत ज्यादा खराब है, उसे इलाज के लिए बाहर भेजना पड़ेगा।

उसके बाद कुछ कागजों में हस्ताक्षर कराए गए। इसबीच दो लोग कोरबा से आए थे जिन्होंने अपना नाम निशिकांत मिंज एवं सुमन वानी मिंज बताया। उन्होंने हम लोग बच्ची का इलाज कराकर कुछ दिन में बच्ची वापस कर देंगे। प्रार्थी एवं पत्नी ने विश्वास कर लिया। काफी दिन बीतने के बाद बच्ची नहीं मिलने पर प्रार्थी, नर्स अनुपमा टोप्पो के पास गया और पूछने पर हर बार टाल देती थी। बाद में पत्थलगांव के ही एक व्यक्ति से जानकारी मिली कि बच्ची को तो निशिकांत एवं सुमन वानी मिंज को गोद दे दिया गया है और उनका पता भी बताया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण प्रार्थी कोरबा नहीं जा पाया। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना पत्थलगांव में छ्वछ्व ष्ट्ज्ञ की धारा 80, 81 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर, एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश जायसवाल के नेतृत्व में विवेचना के दौरान निशिकांत मिंज एवं सुमन वानी मिंज से संपर्क कर नवजात शिशु के गोद लेने के संबंध में वैध कानूनी दस्तावेजों की मांग की। दोनों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था।

जिस पर पुलिस के द्वारा माता पिता को धोखे में रख कर नवजात बच्ची को , दूसरे दंपत्ति को दे देने तथा दंपत्ती के द्वारा बिना कानूनी प्रक्रिया के अवैध रूप से नवजात शिशु को अपने पास रखने के कारण नर्स अनुपमा टोप्पो व दंपत्ति निशिकांत मिंज एवं सुमन वानी मिंज के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के द्वारा उनके कब्जे से नवजात शिशु को भी बरामद कर चाइल्ड हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में रखा गया है। इस पूरी कार्रवाई में एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश कुमार जायसवाल,थाना प्रभारी पत्थलगांव निरीक्षक विनीत कुमार पांडे, उप निरीक्षक संतोष तिवारी, प्रधान आरक्षक मिथलेश यादव तथा आरक्षक तुलसी रात्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एसएसपी जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि पत्थलगांव के शासकीय हॉस्पिटल से नर्स के द्वारा ,माता पिता को धोखे में रख कर नवजात बच्ची को एक दंपत्ति को दे दिया गया था, नवजात बच्ची के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपिया नर्स तथा नवजात बच्ची को अपने पास रखने वाले एक दंपति को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है, व नवजात शिशु को बरामद कर, चाइल्ड हेल्थ व वेलनेस सेंटर में रखा गया है।

कबीरधाम पुलिस की अपीलः उत्सव मनाएँ, लेकिन नियमों का पालन करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। पुलिस अधीक्षक ने जिले के समस्त डीजे संचालकों की बैठक ली निर्धारित सीमा से अधिक आकार और ध्वनि वाले डीजे से जनता को हो रही समस्याओं पर हुई चर्चा रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन करने वालों पर होगी त्वरित कार्यवाही पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह (आईपीएस) ने जिले के डीजे संचालकों की बैठक ली। बैठक के दौरान यह प्रमुख विषय सामने आया कि निर्धारित सीमा से अधिक आकार और ध्वनि वाले डीजे आम जनता के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनते हैं। अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण से बुजुर्गों और मरीजों की नींद बाधित होती है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और आम लोगों में तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है। बड़े आकार के डीजे लगाने से भीड़ प्रबंधन कठिन हो जाता है और कई बार सामाजिक कार्यक्रमों में अव्यवस्था फैल जाती है।

बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि रात्रि 10 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में डीजे या धुमाल का संचालन नहीं होगा। साथ ही,10 इनटू 8 फीट (लंबाई–चौड़ाई) से बड़े डीजे और निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक ध्वनि पर सख्त रोक रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में कोई भी संचालक नियमों का उल्लंघन न करे। यदि रात्रि 10 बजे के बाद डीजे बजाया गया या निर्धारित आकार और ध्वनि सीमा से बाहर डीजे लगाए गए तो संबंधित संचालक का डीजे एवं समस्त उपकरण वाहन सहित जप्त कर माननीय न्यायालय में पेश किया जाकर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज की शांति और आमजन का स्वास्थ्य सर्वोपरि है, इसलिए किसी भी सूरत में ध्वनि प्रदूषण और अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने कहा आनंद और उत्सव के दौरान डीजे संचालन के किया जाना यहां कि परंपरा है , लेकिन यह दूसरों की परेशानी का कारण नहीं बनना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि हम उत्सव भी मनाएँ और समाज की शांति और लोगों के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें। नियम तोडने् वालों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल, पंकज पटेल, एसडीओपी कृष्ण कुमार चंद्राकर, डीएसपी मुख्यालय आशीष शुक्ला, थाना प्रभारी कोतवाली लालजी सिन्हा सहित जिले के डीजे संचालक उपस्थित थे। कबीरधाम पुलिस द्वारा सभी से अनुरोध है कि सभी संचालक समाज और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केवल निर्धारित आकार और ध्वनि सीमा में ही डीजे का संचालन करें।

प्रेमिका ने पुत्र के साथ मिलकर की थी युवक की हत्या, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुन्द। महासमुंद जिले के ग्राम बेमचा की बड़ी नहर से मिले अज्ञात शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मृतक की प्रेमिका तथा उसके पुत्र को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि जिले के ग्राम बेमचा की बड़ी नहर कुछ दिन पहले एक व्यक्ति की लाश मिली थी। कुछ ही दिनों की सघन जांच और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने इस मामले की गुत्थी सुलझा दी। मृतक की पहचान पिलेश्वर साहू (35 वर्ष), निवासी ग्राम पचेड़ा, थाना खल्लारी के रूप में हुई। सनसनीखेज खुलासे में सामने आया कि पिलेश्वर की हत्या उसकी प्रेमिका देवकी बघेल और उसके बेटे सुरेश बघेल ने मिलकर की थी। 8 सितंबर 2025 से पिलेश्वर अपनी ड्यूटी (रायपुर स्थित प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड का काम) पर नहीं गया था। 10 सितंबर को बेमचा नहर में एक अज्ञात शव मिला, जिसके चेहरे पर गंभीर चोटें थीं और मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। मृतक के गले और गुप्तांग पर भी चोट के निशान थे। डॉक्टर की शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि यह हत्या का मामला है। सायबर सेल और थाना महासमुन्द पुलिस ने 3 विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की। इलाके में पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि बेमचा की रहने वाली देवकी बघेल पर पूर्व में पति की हत्या का मामला दर्ज हो चुका है और वह जेल से छूटकर बाहर आई थी। पुलिस ने शक की बुनियाद पर जब गहराई से जांच की तो पता चला कि पिलेश्वर अक्सर देवकी के घर आता-जाता था और पिछले कई दिनों से वहीं रह रहा था।

9 सितंबर की रात पिलेश्वर देवकी के घर पहुंचा और शराब के नशे में विवाद करने लगा। यह स्थिति देवकी और उसके बेटे सुरेश को बेहद नागवार गुजरी। गुस्से में दोनों ने पिलेश्वर को खाट में रस्सी से बांध दिया। इसके बाद सुरेश ने सब्जी काटने वाले चाकू से उसका गला रेत दिया, जबकि देवकी ने पेचकस से आंख में वार किया। आरोपियों ने शोर दबाने के लिए मुंह में कपड़ा ठूंसा और पहचान मिटाने के लिए चेहरे पर मुरूम का ढेला पटक दिया। सुरेश ने मृतक के गुप्तांग काट दिए। पिलेश्वर की मौत होने के बाद दोनों ने शव को घसीटकर पास की नहर में फेंक दिया और कपड़े व मोबाइल भी वहीं बहा दिए। पुलिस ने देवकी और सुरेश को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, रस्सी, पेचकस और घटना के समय पहने गए खून से सने कपड़े जब्त किए। मामले में धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मामले में पुलिस ने देवकी बघेल, पत्नी स्व. धनीराम बघेल, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम बेमचा, थाना महासमुन्द तथा पुत्र सुरेश बघेल को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :–

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	174966 प्रथम आमंत्रण 08.09.2025	जिला सूरजपुर के लांजित से सौहार मार्ग पर महान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	732.53
2	174976 प्रथम आमंत्रण 08.09.2025	करमा बरभांठा सरगाढोही मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. का निर्माण कार्य।	457.36
3	174978 प्रथम आमंत्रण 08.09.2025	झगरहा कोरकोमा पसरखेत चचिया मार्ग मुख्य जिला मार्ग लंबाई 29.00 कि.मी. वास्तविक लंबाई 24.20 कि.मी. का निर्माण कार्य, जमा मद।	2880.06
4	174979 प्रथम आमंत्रण 08.09.2025	ओढालीडीह से तिलैहापारा घटोई मंदिर मार्ग लंबाई 5.70 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, जमा मद।	585.06
5	174997 प्रथम आमंत्रण 08.09.2025	जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के सूजीबहार मेनरोड़ से सिकरिया पहुंच मार्ग लं. 2.00 कि.मी. निर्माण कार्य।	247.16
6	174993 प्रथम आमंत्रण 08.09.2025	धिनारा से खुंटाकुडा मार्ग लंबाई 10.00 कि.मी. वास्तविक लंबाई 4.525 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य। जमा मद।	503.37
7	174882 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	गिधौरी चारपारा मार्ग लंबाई 5.625 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, जमा मद।	744.68
8	175006 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	रामपुर से सिरली पहुंच मार्ग लंबाई 8.00 कि.मी. वास्तविक लंबाई 4.60 कि.मी. का निर्माण कार्य। जमा मद।	762.80
9	175039 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	जिला बेमेतरा के कोगियाकला –नवागांव के सुरही नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	373.42
10	175046 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	ओझायाईन से रामपुर पहुंच मार्ग लंबाई 8.00 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 1.80 कि.मी.) का निर्माण कार्य, जमा मद।	231.22
11	175047 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	विकासखण्ड पोडीउपरोडा के ग्राम पाथा से खैरबहरी धनुहारपारा लंबाई 4.00 कि.मी. वास्तविक लंबाई 1.80 कि.मी. का निर्माण कार्य, जमा मद।	209.17
12	175055 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	जिला रायपुर के भनपुरी पाटीदार भवन से रिंग रोड लंबाई 2.00 कि.मी. का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित। विधानसभा संभाग रायपुर।	472.58
13	175090 प्रथम आमंत्रण 09.09.2025	तमनार उरबा लैलूंगा मार्ग (लंबाई 36.00 कि.मी.) के कि.मी. 10/4 से 13/2 (100 मीटर) विद्यमान मार्ग का बंद कर उसके स्थान पर मार्ग 10/4 से 13/10 तक लंबाई 3.80 कि.मी. में सीमेंट कांक्रीट मार्ग (परिवर्तित मार्ग) का निर्माण कार्य, जमा मद।	1596.27
14	175131 प्रथम आमंत्रण 10.09.2025	जिला बस्तर के चेराकुर से कोलेबेड़ा मार्ग के लंबाई 4.80 कि.मी. पुल–पुलिया सहित निर्माण कार्य।	464.98
15	175141 प्रथम आमंत्रण 10.09.2025	जिला बस्तर के सुधापाल से कुण्डापाली मार्ग के कि.मी. 1/2 से 6/6 = 5.60 कि.मी. का पुल–पुलिया सहित निर्माण कार्य।	628.69
16	175133 द्वितीय आमंत्रण 10.09.2025	जिला बस्तर के टाहकावाड़ा से पटेलपारा मार्ग के कि.मी. 1/6 में जीरम नदी पर उच्चस्तरीय सेतु निर्माण कार्य का शेष कार्य।	242.23
17	175142 प्रथम आमंत्रण 10.09.2025	जिला रायपुर के रानीसागर से परसकोल मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य। संभाग क्र.– 2 रायपुर।	499.78
18	175147 तृतीय आमंत्रण 10.09.2025	1) जिला जशपुर के सिसरिंगा से मछलंग होते हुए सहसपुर पहुंच मार्ग लं. 6.50 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2) जिला जशपुर गोढ़ी से पालीडीह पहुंच मार्ग लंबाई 3.10 कि.मी. का निर्माण कार्य।	1054.14

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 16 दिनांक 26.09.2025, सं.क. 18 दिनांक 22.09.2025 निर्धारित है । एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 03.10.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी- 252603482/9

ईशा होटल में सेक्स रैकेट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दूसरे राज्यों की लड़कियों को होटल में ठहराता था, सोशल मीडिया पर फोटो भेजकर सौदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे होटल मालिक निखिल मेश्राम उर्फनिक्कु उर्फअमित (26 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले पुलिस इस मामले में दो अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब तक तीन आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं।

होटल ईशा में देह व्यापार कांड की जांच में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पकड़े गए आरोपी निखिल मेश्राम बाहरी राज्यों से युवतियों को बुलाकर उन्हें होटल में ठहराता था। इसके बाद ग्राहकों को फंसाने के लिए युवतियों के फोटो और डिटेल्स व्हाट्सऐप पर भेजे जाते थे। तय रकम के बाद ग्राहकों को होटल में बुलाकर अवैध गतिविधि कराई जाती थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि इस पूरे सौदेबाजी में आरोपी का मोबाइल फोन अहम कड़ी था। मोबाइल के जरिए ही आरोपी ग्राहकों से संपर्क करता और युवतियों की फोटो भेजकर डील फाइनल करता था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से मोबाइल जब्त कर लिया है। एक तय रकम के बाद ग्राहक को होटल में बुलाकर अवैध गतिविधि कराई जाती थी। इस सौदेबाजी में आरोपी का मोबाइल मुख्य भूमिका निभा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन जब्त कर लिया है।

बता दें कि इससे पहले इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब निखिल मेश्राम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मोबाइल की डिजिटल जांच कर रही है ताकि और भी सुराग मिल सकें। पुलिस को शक है कि आरोपी का नेटवर्क राज्य से बाहर भी फैला हुआ है। जांच के बाद और नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

वैशाली नगर थाना क्षेत्र में अनैतिक देह व्यापार की गतिविधियों की सूचना पुलिस को लगातार मिल रही थी। इसी कड़ी में पुलिस ने होटल ईशा पर दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान होटल मालिक निखिल मेश्राम का नाम सामने आया, लेकिन वह फरार हो गया था। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी शहर में देखा गया है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

पुलिस पूछताछ में निखिल मेश्राम ने अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपी पर अप.क्र. 292/2025 धारा 3, 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी को 15 सितंबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से अवलोकन किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को इनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

छ.ग.गृह निर्माण मण्डल, वृत्त–दुर्ग
प्रथम आमंत्रण सूचना विज्ञापन क्र. 44
1. सामान्य आवास योजना बघेरा कॉलोनी, जिला–दुर्ग में मुख्य द्वार/प्रवेश द्वार पर गेन्ट्री गेट निर्माण कार्य हेतु राशि रू. 7.97 लाख।
2. जोराताल, जिला कबीरधाम, खैरागढ़, जिला के.सी.जी. बीजाभाठ जिला बेमेतरा के लिए प्रवेश द्वार/ओवर हेड साईन बोर्ड का निर्माण कार्य हेतु राशि रू. 12.02 लाख।
3. अटल विहार योजना चिटौद, जिला–बालोद में गेन्ट्री गेट का निर्माण कार्य हेतु राशि रू. 9.29 लाख
की मेन्यूवल निविदा प्रपत्र–"अ" में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विवरण मण्डल वेबसाईट www.cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी मो. नं. 94242–84256, 94064–40772, 96699–61057 पर सम्पर्क करें।
सं-45237/2 उपायुक्त

- परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को मिलेगी 1 करोड़ की अनुग्रह राशि
- मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में हुआ निर्णय

युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलेगी 50 लाख की अनुग्रह राशि

हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए न्यौछावर करते हैं अपना जीवनः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद सैनिकों की पत्नी अथवा उनके आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में वृद्धि करते हुए इसे 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में विभिन्न वीरता अलंकरण प्राप्त जवानों को दी जाने वाली राशि में भी वृद्धि की गई है। अब परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को 40 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में लिया गया।

आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण विभाग की 6वीं राज्य सैनिक समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन न्यौछावर करते हैं। हम उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हैं। सरकार भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। बैठक में शहीदों की वीर नारियों, भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए राज्य द्वारा संचालित कई कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समिति की छठवीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा में हमारे वीर जवान दिन-रात तत्पर रहते हैं। भारत माँ की सेवा में अपना जीवन अर्पित करने वाले इन वीर सपूतों का कल्याण करना सबका दायित्व और कर्तव्य है। आज की बैठक में भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके परिजनों के हित में सार्थक चर्चा हुई है। बैठक में लिए गए निर्णयों का लाभ भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों तक सीधे पहुंचेगा। भूतपूर्व सैनिकों की बेहतरी के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी सदस्यों द्वारा दिए गए हैं, जिन पर सकारात्मक रूप से विचार कर उचित निर्णय लिया जाएगा।

बैठक के दौरान भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के हित में कई महत्वपूर्ण एजेंडा बिंदुओं पर निर्णय लिये गए। इनमें युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद (बैटल कैजुअल्टी) सैनिकों की पत्नी अथवा आश्रितों को अनुग्रह राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करना, विभिन्न शौर्य अलंकरण प्राप्त सैनिकों को दी जाने वाली राशि में वृद्धि करना शामिल है। अब परमवीर चक्र प्राप्तकर्ता सैनिक को 40 लाख की जगह 1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसी प्रकार सैनिकों के माता-पिता को दी जाने वाली जंगी इनाम राशि 5 हजार रुपये प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दी गई है। युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में दिव्यांग हुए सैनिकों की अनुदान राशि 10 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को प्रथम भूमि/गृह क्रय करने पर 25 लाख रुपये तक के स्टाम्प शुल्क में छूट देने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन अमिताभ जैन ने मुख्यमंत्री को बालवृक्ष भेंट किया। तत्पश्चात् सैनिक कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ के संचालक एवं राज्य सैनिक समिति के सचिव ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, विशिष्ट सेवा मेडल (से.नि) ने राज्य सैनिक बोर्ड, छत्तीसगढ़ की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने 13 जनवरी 2012 को आयोजित पाँचवीं राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक की कार्यवाही विवरण पर प्रगति रिपोर्ट दी और 6वीं बैठक में सम्मिलित एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा प्रारम्भ की। बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल, मध्य भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत (पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम), अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, केंद्रीय सैनिक बोर्ड नई दिल्ली के सचिव ब्रिगेडियर डी.एस. बसेरा (विशिष्ट सेवा मेडल), कमांडर छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा सब एरिया ब्रिगेडियर तेजिंदर सिंह बावा (सेना मेडल), सचिव वित्त विभाग अंकित आनंद, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग अविनाश चंपावत, मेजर जनरल संजय शर्मा (से.नि), विंग कमांडर ए. श्रीनिवास राव (से.नि), विक्रांत सिंह एवं राजेश कुमार पाण्डेय राज्य सैनिक समिति छत्तीसगढ़ के सदस्यगण उपस्थित थे।

दूरदर्शन ने समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध करने और संस्कारों को संवारने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित दूरदर्शन केंद्र में आयोजित दूरदर्शन के 66वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए और दूरदर्शन परिवार, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दर्शकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ी अपनी स्मृतियाँ साझा कीं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने दूरदर्शन के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, गीत तथा शास्त्रीय संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। मुख्यमंत्री के समक्ष कलाकारों ने गौर नृत्य, बांस गीत, जवारा नृत्य, सुआ नृत्य और गौरी-गौरा जैसे लोकनृत्य प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दूरदर्शन ने मनोरंजन के साथ-साथ हमें वैचारिक रूप से समृद्ध करने और संस्कारित करने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने 1982 में एशियाई खेलों के रंगीन प्रसारण, रामायण और महाभारत जैसे धारावाहिकों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में दूरदर्शन का जादू ऐसा था कि प्रसारण के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मिले सुर मेरा तुम्हारा जैसे गीतों के माध्यम से दूरदर्शन ने देश की एकता और सांस्कृतिक एकरूपता का संदेश दिया। समाचारों की गरिमा और भाषा की शुचिता बनाए रखने में दूरदर्शन की परंपरा सदैव सराहनीय रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दूरदर्शन के प्रादेशिक केंद्रों ने स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया है। रायपुर दूरदर्शन ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रमों और विशेषकर हमर चिन्हारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुँचाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कृषि दर्शन, महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों और युवाओं के लिए प्रस्तुत विशेष सामग्री के माध्यम से दूरदर्शन ने समाज के हर वर्ग को जोड़ा है। उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सँभालने के बाद अपनी बात कार्यक्रम में दिए गए साक्षात्कार को याद करते हुए कहा कि दूरदर्शन हमेशा स्पष्टता से और विस्तारपूर्वक अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लाखों हितग्राहियों को मिल रहा है और दूरदर्शन के द्वारा समाज में आने वाले सकारात्मक बदलावों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी एक व्यक्ति की सफ्लता की कहानी दूरदर्शन पर प्रसारित होती है, तो वह लाखों लोगों के जीवन को बदलने का सशक्त आधार बनती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दूरदर्शन परिवार को पुनः स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि दूरदर्शन इसी प्रकार आम जनता का मनोरंजन, संस्कार और जागरूकता का प्रमुख माध्यम बना रहेगा।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि दूरदर्शन ने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी दूरदर्शन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक सशक्त रूप से दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। इस अवसर पर रायपुर दूरदर्शन केंद्र के उप महानिदेशक संजय कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में जुड़ेगी नई तकनीकः मंत्री गजेंद्र यादव

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का गुजरात दौरा, आधुनिक तकनीक से सशक्त होगी छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने तीन दिवसीय गुजरात प्रवास के दौरान अहमदाबाद स्थित भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान द्वारा शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे नवीनतम शोध, तकनीकी उपयोग और नवाचारों का अवलोकन किया।

मंत्री ने कहा कि गुजरात में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। यहां शिक्षा से जुड़े नवाचारों और अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग ने सीखने और पढ़ाने की प्रक्रिया को अधिक सरल और प्रभावी बना दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छत्तीसगढ़ में भी शिक्षा व्यवस्था को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए इसी प्रकार की कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नई तकनीक से जुड़ने का अवसर मिल सके। मंत्री श्री यादव ने कहा कि तकनीक के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है, बल्कि दूरस्थ और दुर्गम अंचलों में रहने वाले विद्यार्थियों तक भी बेहतर शैक्षणिक सामग्री पहुंचाई जा सकती है। इस दिशा में गुजरात के मॉडल का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी इसे लागू करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक लोक शिक्षण श्री ऋतुराज रघुवंशी, गुजरात राज्य के अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने BISAG के विभिन्न प्रकल्पों और तकनीकी मॉड्यूल्स का गहन अध्ययन किया और इसे छत्तीसगढ़ की आवश्यकताओं के अनुरूप लागू करने पर चर्चा की।

मंत्री यादव का यह दौरा छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में नए आयाम जोड़ने और छात्रों को तकनीक आधारित शिक्षा की ओर अग्रसर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने गोलावंड में लगभग 01 करोड़ 69 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कोंडागांव जिले के ग्राम गोलावंड में आयोजित भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में लगभग 01 करोड़ 69.52 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही ग्राम गोलावंड में शीतला माता मंदिर निर्माण के लिए पाँच लाख और सामुदायिक कार्य हेतु बीस लाख रूपए के शेड निर्माण की घोषणा की।

वन मंत्री ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे यह सरकार की मंशा है। हमारी प्राथमिकता में ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और पुल पुलिया का विकास है, जिससे सभी गांव विकासखंड और जिला मुख्यालय से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने गांव गांव को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की गई थी। पक्की सड़क बन जाने से गांव में विकास पहुंचती है। वन मंत्री ने ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और महतारी वंदन योजना, लखपति दीदी जैसे कई योजनाओं से गांव की महिलाएं भी आत्मनिर्भर हो रही हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड जैसे योजनाओं से शत प्रतिशत लाभ पहुंचाए। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए भी प्रेरित किया।

भूमिपूजन कार्यक्रम में वन मंत्री कश्यप ने क्षेत्रवासियों को 01 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगत दी, जिसमें ग्राम खण्डाम में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास से 3 लाख रुपए की लागत से अतरिकोट पारा में रंगमंच निर्माण, मयूरडोंगर में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास से 4.50 लाख रुपए की लागत से गोविन्द घर के पास पुलिया निर्माण कार्य शामिल है। इसी प्रकार ग्राम झारा में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास अंतर्गत 4.50 लाख रुपए की लागत से गुड्डी राम घर डोंगरीपारा में पुलिया निर्माण, ग्राम पोलंग में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास अंतर्गत 06 लाख रुपए की लागत से बनसिंह घर के पास पुलिया निर्माण, ग्राम बोरगांव में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास अंतर्गत 06 लाख रुपए की लागत से बोरपारा सुबेश्वर घर के पास पुलिया निर्माण, ग्राम गोलावण्ड में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास अंतर्गत 04 लाख रुपए की लागत से बाजार स्थल में रंगमंच निर्माण, ग्राम बेतबेडा सम्रग शिक्षा अंतर्गत 16 लाख रुपए की लागत से प्रा0 व पूर्व मा0 शाला बेतबेड़ा में अहाता निर्माण कार्य शामिल है। ग्राम खचगांव में छ0ग0 राज्य कृषि विपणन बोर्ड अंतर्गत ग्राम खचगांव जिला कोण्डागांव अंतर्गत 10.99 लाख रूपए की लागत से कोलियारीपारा से 1.5 मीटर स्पॉन कर 2 नग पुलिया निर्माण कार्य, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड अंतर्गत ग्राम खड़गांव जिला कोण्डागांव अंतर्गत 6.99 लाख रूपए की लागत से हगरू कश्यप घर के पास 02 मीटर स्पॉन आर.सी.सी. कल्बर्ट निर्माण, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन मीटर स्पॉन आर.सी.सी. कल्बर्ट निर्माण, ग्राम खचगांव जिला कोण्डागांव अंतर्गत 5.49 लाख रुपए की लागत से प्रेमसिंह बघेल के खेत के पास 1.5 मीटर स्पॉन आर.सी.सी. कल्वर्ट निर्माण कार्य शामिल है।

छ.ग. राज्य कृषि विपणन बोर्ड अंतर्गत ग्राम तोतर जिला कोण्डागांव में 12.46 लाख रुपए की लागत से छिनारी नाला में 03 मीटर स्पॉन आर.सी.सी. कल्वर्ट 1 नग, सम्रग शिक्षा अंतर्गत 16 लाख रुपए की लागत से प्रा0शाला चिखलापारा, ग्राम नरिहा में छ.ग. राज्य कृषि विपणन बोर्ड अंतर्गत ठोडीमढ़ानार जिला कोण्डगांव अंतर्गत 35.5 लाख रूपए की लागत से ग्राम नरिहा सोनाधर पर से अटारपारा तक 500 मीटर सी.सी. सड़क एवं 02 मीटर स्पॉन 03 नग आर.सी.सी स्लोब कल्वर्ट निर्माण कार्य शामिल है। ग्राम चमई में छ.ग. राज्य कृषि विपणन बोर्ड ईलाकोतर्गत चमई नाला में 35.09 लाख रुपए की लागत से 06 मीटर 2 स्पान स्लैब कल्वर्ट (चमई से कोकड़ भाटा मार्ग पर) और ग्राम पंचायत हंगवा में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास अंतर्गत 03 लाख रूपए की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री साय से हार्ट फुलनेस संस्थान के डायरेक्टर चावला ने की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में हार्टफुलनेस संस्थान के डायरेक्टर श्री त्रिलोचन चावला ने सौजन्य भेंट की। श्री चावला ने मुख्यमंत्री साय को संस्थान की ओर से हैदराबाद स्थित हार्टफुलनेस मुख्यालय आने का आमंत्रण दिया।

इस अवसर पर चावला ने मुख्यमंत्री को हार्टफुलनेस संस्थान के प्रमुख कमलेश डी. पटेल 'दाजी' द्वारा जैन तीर्थंकरों पर लिखी पुस्तक भेंट की।

साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री को हार्टफुलनेस संस्थान द्वारा दुर्ग जिले के अमलेश्वर स्थित हार्टफुलनेस योग आश्रम सहित छत्तीसगढ़ में संचालित आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चावला को हार्टफुलनेस मुख्यालय हैदराबाद आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया और संस्थान के आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950